केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कभी भी डरो मत वक्त कैसा भी हो आपको हरा नही सकता है

वर्ष : 16 अंक : 177 | उज्जैन, रविवार 07 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

राजधानी में विभिन्न मार्गों पर बनने वाले द्वार विरासत के साथ विकास को करेंगे जीवंत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, सम्राट अशोक और विक्रमादित्य के नाम पर होंगे द्वार

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजधानी के गौरवशाली अतीत को निखारने के लिए सभी समन्वित आवश्यक प्रयास पूरी प्रतिबद्धता के साथ किए जाएंगे। महान प्रतापी राजा भोज के शासन के एक हजार साल पूर्ण होने पर भोज-नर्मदा द्वार का भूमि-पूजन किया गया था। राजधानी में महान चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के शासन के दो हजार साल पूर्ण होने पर उनके नाम पर बनने वाले द्वार का भूमि-पूजन किया जायेगा। भोपाल में महापुरूषों के नाम पर विभिन्न मार्गों पर 9 भव्य द्वार बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये बात शनिवार को समत्व भवन में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा और हुजूर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के निर्वाण दिवस पर स्मरण करते हुए कहा कि आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र वाले देश में चाय वाला प्रधानमंत्री और गाय वाला मुख्यमंत्री है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विरासत के साथ विकास का कार्य निरंतर तेज गति से जारी है। राजधानी में निर्मित होने वाले भव्य द्वार विभिन्न महापुरूषों और उनकी विरासत को प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मुस्कुरा रहे हैं, काशी का भी आनंद उसमें जुड़ा है और महाकाल में महालोक छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की है। आचार्य सांदीपनि का आश्रम मध्यप्रदेश की धरोहर है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता, अमीर और गरीब की मित्रता का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यप्रदेश की धरती से सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन का अद्भुत मॉडल सभी के लिए प्रस्तुत किया। आज सम्राट विक्रमादित्य सुशासन के लिए पूरे संसार में जाने जाते हैं। सम्राट अशोक और विश्व प्रसिद्ध धरोहर सांची को जीवंत करते द्वार बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौमाता का प्रमुख स्थान है। गाय स्वयं के बच्चों के साथ हम सभी का पोषण भी करती है, इसीलिए वह माता के रूप में पूजी जाती है। वह अपने आंचल में ममता लिए सबका कल्याण करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौशाला का संचालन करने वालों को सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। गौमाता की रक्षा और सुरक्षा के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। गौपालन के लिए भी सरकार ने मुख्यमंत्री डॉ. अंबेडकर कामधेनु योजना प्रारंभ की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हुजूर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का मुख्यमंत्री निवास में स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री निवास कार्यकर्ताओं का घर है। उन्होंने विधायक श्री शर्मा और नागरिकों का श्रीराम दरबार भेंट करने पर आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सरकार के 2 साल पूर्ण होने के अवसर पर हुजूर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया।

विकास एवं विरासत के दो साल- विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास का नया मॉडल प्रस्तुत किया है। इसमें विरासत के साथ विकास का अद्भुत और अद्वितीय संगम समाहित है। मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की नगरी उज्जैन के रहने वाले डॉ. यादव, सम्राट विक्रमादित्य की तरह ही सुशासन की परम्परा के सच्चे वाहक हैं। उनके नेतृत्व में विकास का नया मॉडल प्रस्तुत किया गया है। राजा भोज की राजधानी को गौरव प्रदान किया गया है। अब राजा भोज के शहर भोपाल में प्रवेश करते ही लोगों को सांस्कृतिक वैभव के दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोज-नर्मदा द्वार का पहले भूमिपूजन किया अब दो वर्ष पूर्ण होने पर 13 दिसम्बर को विक्रमादित्य द्वार का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अब भोपाल से मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरू और अन्य शहरों के लिए विमान सेवाएं प्रारंभ हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

वित्तमंत्री सीतारमण ने की जम्मू कश्मीर सीएम की तारीफ, उमर ने भी दिया प्यारा सा जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री वहां की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं। नई दिल्ली में चल रहे हिन्दुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में सीतारमण ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र को काफी बड़ा झटका लगा था। उसके बाद अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने का काम चल रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था फिर से तेजी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, मुझे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की भी सराहना करनी होगी, जिन्होंने मुझसे दो बार मुलाकात की और पर्यटन क्षेत्र के ठप पड़ने के बाद अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने पर बात की। वित्तमंत्री से मिली इस तारीफ के बारे में जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया तो उन्होंने मुस्कराते हुए इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा, यह उनकी दयालुता है कि उन्होंने मेरी तारीफ की। मैं तो यही कहूंगा कि मैडम अब पैसे भी भेज दीजिए। क्योंकि उसकी सप्लाई काफी कम है, लेकिन मैं यहां पर कहना चाहूंगा कि भारत सरकार लगातार हमारी मदद कर रही है। केवल एक मुद्दे को छोड़करज उम्मीद है कि हम उस पर भी जल्दी ही पहुंच जाएंगे। इससे पहले वित्तमंत्री ने कहा कि 2019 से लेकर अब तक देश की आर्थिक यात्रा के बारे में कहा कि इस दौरान एक के बाद एक वैश्विक और घरेलू चुनौतियां आई हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चल रहे खास प्रयासों का जिक्र भी किया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि हमें अपनी सीमाओं पर हमेशा परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे बताया, जम्मू-कश्मीर बैंक का पुनरुद्धार ऐसा काम है जिस पर देश को गर्व हो सकता है। जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था फिर से खड़ी हो रही थी... लेकिन बाहरी कारणों से उसे बड़ा झटका लगा और महत्वपूर्ण पर्यटन उद्योग ठप हो गया। वित्तमंत्री का इशारा पहलगाम हमले की तरफ था। इस हमले में पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 भारतीय पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को काफी नुकसान पहुंचा था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश से वापस लाई गईं सुनाली खातून

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल के बीरभूम निवासी 26 वर्षीय सुनाली खातून को भारत का नागरिक होने के बावजूद बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार को सुनाली को उनके 8 साल के बच्चे के साथ वापस लाया गया है। बांग्लादेश की जेल में 103 दिन बिताने के बाद को दोनों को उत्तर बंगाल में मालदा सीमा के रास्ते भारत लाया गया। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि चार अन्य निर्वासित लोगों को कब वापस लाया जाएगा। ये लोग अब भी बांग्लादेश में रह रहे हैं और इन्हें लाने का आदेश भी शीर्ष अदालत ने दिया है।
एक अधिकारी ने बताया कि गर्भावस्था के अंतिम चरण में पहुंच चुकी सुनाली को शाम करीब सात बजे उप-उच्चायुक्त स्तर के एक अधिकारी को सौंप दिया गया, जहां से दोनों को पहले औपचारिकताओं के लिए मेहदीपुर स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) शिविर ले जाया गया और बाद में मेडिकल जांच के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया।

देश में तेजी से बढ़ रहे POCSO के केस, सबसे ज्यादा क्कमें अटके मामले

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई बेहद धीमी है। ताजा सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पॉक्सो कानून के तहत 35,434 से ज्यादा मामले दो साल से अधिक समय से अदालतों में अटके पड़े हैं। लोकसभा में दी गई जानकारी से साफ है कि कई बड़े राज्यों में लंबित मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

वर्ष 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 10,566 मामले दो साल से लंबित हैं। इसके बाद महाराष्ट्र 7962, पश्चिम बंगाल 2003, तमिलनाडु 1910 और मध्य प्रदेश 1736 केस के साथ शीर्ष राज्यों में शामिल हैं।

किस राज्य में कितने केस- छत्तीसगढ़ में 375, राजस्थान में 224, बिहार में 1079, झारखंड में 315, पंजाब में 152, हरियाणा में 606, चंडीगढ़ में 16, हिमाचल प्रदेश में 101 और उत्तराखंड में 374 मामले दो साल से ज्यादा समय से लंबित हैं।

2015 की तुलना में 2023 में लंबित मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर 2015 में यूपी में सिर्फ 26 केस पेंडिंग थे जो बढ़कर 10,566 हो गए। महाराष्ट्र में यह संख्या 48 से बढ़कर 7962, पश्चिम बंगाल में 55 से 2003, तमिलनाडु में 2 से 1910 और मध्य प्रदेश में 0 से 1736 पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि पुलिस जांच में देरी, साक्ष्य जुटाने में कठिनाई और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की धीमी रफ्तार इसका बड़ा कारण है। उनका कहना है कि सिर्फ अदालतें बढ़ाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि पुलिस, प्रशासन और समाजतीनों को मिलकर काम करना होगा।

5 साल में 4.5 लाख से ज्यादा केस दर्ज- 2021 से 2025 के बीच देश में पॉक्सो के 4.5 लाख से ज्यादा केस दर्ज हुए। इनमें यूपी सबसे ऊपर रहा जहां 1,31,692 मामले दर्ज हुए। महाराष्ट्र (76,409) और मध्य प्रदेश (32,548) दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। तमिलनाडु (39,099) और गुजरात (31,617) भी प्रमुख राज्यों में शामिल हैं।

कुछ पूर्वोत्तर राज्योंमिजोरम, नगालैंड, लद्दाख और अंडमान-निकोबारमें हर साल 0 से 11 के बीच ही मामले दर्ज हुए। देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट चल रहे हैं, जिनमें 400 अदालतें सिर्फ पॉक्सो मामलों की सुनवाई करती हैं। सितंबर 2025 तक ये अदालतें 3.5 लाख से ज्यादा केस निपटा चुकी हैं। केंद्रीय कानून मंत्री ने बताया कि पहली बार पांच और दस साल का राज्यवार डेटा एक साथ संसद में पेश किया गया है। सरकार ने क्या जानकारी दी- काला धन अधिनियम, 2015 के तहत 1087 विदेशी अघोषित संपत्तियों पर 40,564 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, पिछले दस साल में कितना काला धन देश से बाहर गया, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी सरकार के पास नहीं है।

महिला डॉक्टर ने हॉस्पिटल को दान कर दिए 3.4 करोड़ रुपए, खास अंदाज में मनाया 100वां जन्मदिन

नई दिल्ली/ जीएनएस। ओडिशा की मशहूर स्त्री रोग विशेषज्ञ ने शुक्रवार को अपने 100वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रसूति और स्त्री रोग विभाग को 3.4 करोड़ रुपए दान कर दिए। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मशहूर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रो. के. लक्ष्मी बाई ने अपने 100वें जन्मदिन पर राष्ट्रीय संस्थान को 3.4 करोड़ रुपये दान करके भुवनेश्वर एम्स को विश्वास और भलाई का एक असाधारण तोहफ़ा दिया है।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 1945 में अपनी चिकित्सा डिग्री हासिल करने से लेकर 1986 में बरहामपुर के एमकेसीजी चिकित्सा महाविद्यालय से सेवानिवृत्त होने तक देश की निस्वार्थ सेवा करने वाली प्रो. बाई का यह योगदान भुवनेश्वर एम्स की काबिलियत, नैतिकता और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता में उनके अटूट विश्वास को दर्शाता है। इस मौके पर भुवनेश्वर एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. आशुतोष बिस्वास ने प्रो. बाई की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा, प्रोफेसर बाई का यह असाधारण काम ना सिर्फ एक आशीर्वाद है।

अब सीधे लखनऊ नहीं जा पाएंगे भारी वाहन, इस मार्ग पर एक महीने तक रूट डायवर्जन लागू

उन्नाव/ जीएनएस। कानपुर-लखनऊ हाईवे का सफर आज से एक माह तक वाहन सवारों के लिए कठिनाइयों से भरा रहेगा। कानपुर की ओर से आने वाले किसी भी भारी वाहन को सीधे लखनऊ नहीं जाने दिया जाएगा। रामादेवी व दही तिराहा से इन वाहनों को डायवर्ट कर निकाला जाएगा।

लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में पीएनसी द्वारा कानपुर-लखनऊ हाईवे (एनएच-27) पर पुलिया निर्माण समेत हो रहे अन्य कार्यों के चलते रोजाना लगने वाले जाम को यह निर्णय लिया गया है। एसपी उन्नाव जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर शनिवार सुबह से ही लखनऊ जाने वाले वाहनों को दही तिराहा से पुरवा-मौरावां मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया। जिससे दो किमी दूरी तक दिनभर रुक-रुककर जाम लगता रहा। पुलिस उपायुक्त यातायात लखनऊ ने कानपुर के पुलिस उपायुक्त यातायात व एसपी उन्नाव जयप्रकाश सिंह को पत्र जारी कर कहा कि लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में जुनाबगंज में कानपुर-लखनऊ हाईवे पर एनएचएआइ द्वारा पुलिया निर्माण के अलावा जगह-जगह अन्य निर्माण कार्य किया जा रहा है।

भारत-रूस संबंध सबसे स्थिर, किसी देश के पास इन पर वीटो का अधिकार नहीं, जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि कोई भी बाहरी शक्ति हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित या निर्देशित नहीं कर सकती है। एक निजी समाचार पत्र के कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने रूसी राष्ट्रपति की हालिया यात्रा के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में संभावित जटिलताओं के बारे में चिंताओं को सीधा संबोधित किया।

रूस के साथ भारत के संबंधों पर पड़ रहे भू-राजनैतिक दवाबों पर जयशंकर से स्पष्ट रूप से कहा, किसी भी देश के लिए दूसरे देश के साथ भारत से संबंधों पर वीटो लगाना अनुचित है।

जब, जयशंकर से पूछा गया कि क्या पुतिन की हालिया यात्रा भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते पर असर डालेगी? तो जवाब में उन्होंने कहा कि किसी भी देश के लिए यह कि उसे दूसरों के साथ अपने संबंध विकसित करने में वीटो या अपनी बात कहने का अधिकार हो, यह उचित प्रस्ताव नहीं है। क्योंकि याद रखें दूसरे भी यही उम्मीद रख सकते हैं। हमने कई बार स्पष्ट किया है कि हमें चुनाव करने की आजादी है।

विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि विश्व में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक देशों के साथ सहयोग बनाए रखना तथा विकल्प की स्वतंत्रता प्राप्त करना भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

शशि थरूर से पूछा गया कांग्रेस छोड़ने का लेकर सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी में सबकुछ ठीक चलता हुआ नहीं दिख रहा है। हफ्तेभर में पार्टी की दो अहम बैठकों से दूर रहने वाले थरूर इन दिनों केंद्र सरकार के गुणगान करते नजर आ रहे। कई मसलों पर थरूर ने मोदी सरकार के कामों की तारीफ की है, जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी है कि क्या थरूर आने वाले समय में कांग्रेस में ही रहेंगे या फिर भाजपा में शामिल होंगे। वहीं, क्या उनका कोई अन्य कदम होगा, इस पर भी चर्चा चल रही है।कांग्रेस छोड़ने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी का सांसद हूं और चुने जाने के लिए बहुत मेहनत की है।

दो दिनों के भारत दौरे पर आए पुतिन के सम्मान में शुक्रवार शाम राष्ट्रपति भवन में डिनर का आयोजन किया गया। इसमें शशि थरूर को तो आमंत्रित किया गया था, लेकिन नेता विपक्ष राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को न्योता नहीं मिला। थरूर डिनर में शामिल भी हुए। उन्होंने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा कि मैं यहां कुछ समय बाद आया हूं। कुछ सालों से मुझे लगता है कि उनका नजरिया अलग था। इस बार ऐसा लगा कि उन्होंने दूसरी आवाजों के लिए थोड़ा और खुलने का फैसला किया।

शशि थरूर ने बातचीत में आगे कहा, सच कहूं तो क्योंकि दूसरे देशों के साथ रिश्ते ही पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी देखती है, इसलिए बातचीत, माहौल वगैरह में क्या चल रहा है, इसकी कुछ जानकारी होना मददगार होता है। इसलिए मैं इसी वजह से यहां आकर बहुत खुश हूं। न ज्यादा, न कम। थरूर ने बताया कि शुक्रवार रात राष्ट्रपति भवन में उनकी मौजूदगी की वजह पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन के तौर पर उनके काम से ज्यादा जुड़ी हुई थी। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या शशि थरूर कांग्रेस पार्टी छोड़ेंगे या नहीं, तो इस पर उन्होंने जवाब दिया, मुझे नहीं पता कि यह क्यों पूछना पड़ रहा है। मेरा मतलब है कि मैं कांग्रेस पार्टी का सांसद हूं। मैंने चुने जाने के लिए बहुत मेहनत की। कुछ और बनने के लिए काफी सोच-विचार और कई दूसरी बातों पर ध्यान देना होगा। थरूर ने बताया कि उन्हें वोटर्स के लिए काम करना है और उनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी के साथ कार पुलिंग से लेकर श्रीमद्भगवद्गीता भेंट तक, तस्वीरों में देखिए पुतिन की भारत यात्रा के खास पल

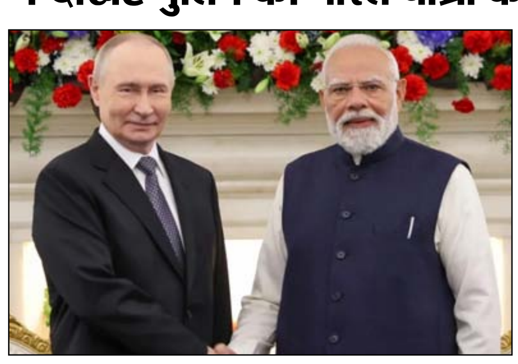

नई दिल्ली/ जीएनएस। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरा पूरा करके वापस अपने देश लौट चुके हैं। पुतिन की भारत यात्रा में कई पल ऐसे आए जिसने लोगों ध्यान अपनी ओर खींचा। इसकी शुरुआत एयरपोर्ट से हुई, जहां पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार में सवार हुए।

पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर किया दोस्त पुतिन का स्वागत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का प्रोटोकॉल तोड़कर स्वागत किया। पीएम मोदी खुद अपने दोस्त पुतिन को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। दौंं नेताओं ने गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे को गले लगाया।

पीएम मोदी के साथ कार पुलिंग- इसके बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार में सवार होकर प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। खास बात ये थी कि इसके लिए फॉर्च्यूनर कार को चुना गया।

पुतिन को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति को श्रीमद्भगवद्गीता का रूसी संस्करण भेंट किया। पीएम मोदी ने इस खास पर की तस्वीर साझा करते हुए गीता के सार्वभौकिम महत्व पर प्रकाश डाला।

राजघाट पहुंचे राष्ट्रपति पुतिन- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी का शांति संदेश- पीएम मोदी ने यूक्रेन युद्ध पर पुतिन से बातचीत के दौरान जोर देकर कहा कि भारत तटस्थ नहीं है, बल्कि शांति के पक्ष में है। जब भी मैंने वैश्विक नेताओं का साथ बात की है तो यही कहा है कि भारत का एक ही पक्ष है, वो है शांति।

पुतिन ने जताया आभार- राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी के जवाब में कहा कि वे यूक्रेन में शांति के प्रयासों पर भारत द्वारा दिए जा रहे ध्यान के लिए आभारी हैं।

अवैध हथियार तस्करी करने वाले तीन अंतरराज्यीय बदमाश पिस्तौल व मैगजीन सहित गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा शहर में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना राऊ पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-1 कृष्ण लालचंदानी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल और एसीपी निधि सक्सेना के मार्गदर्शन में राऊ पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय बदमाशों को अवैध हथियारों के साथ रंगे हाथ पकड़ा है।

रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि राऊ गोल चौराहे के पास तीन संदिग्ध युवक अवैध हथियारों के साथ घूम रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी राऊ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एबी रोड स्थित पपाया ट्री होटल के पास दबिश दी। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर तीन युवक पिट्ठू बैग लिए खड़े दिखाई दिए, जो पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उनके बैग से कपड़ों में छिपाकर रखी गई चार अवैध देशी पिस्टल और दो मैगजीन बरामद की गईं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपनी पहचान हरियाणा और दिल्ली के रहने वाले सुमित (23 वर्ष), अमन (28 वर्ष) और विक्रम (21 वर्ष) के रूप में बताई। प्रारंभिक जाँच में सामने आया कि ये आरोपी अवैध हथियारों की सप्लाई के लिए इंदौर क्षेत्र में सक्रिय थे।

पुलिस ने तीनों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है और अवैध हथियारों के स्रोत के संबंध में पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ये हथियार इंदौर में किसे सप्लाई किए जाने वाले थे।

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी राऊ निरीक्षक राजपाल सिंह राठौर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रवीण जाधव, प्रधान आरक्षक बलराम चौहान, निलेश सुरालकर, अजय चौहान तथा आरक्षक देवेंद्र अम्ब, नारायण यदुवंशी और कमलेश चोरे की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने इसे शहर में बढ़ते अवैध हथियार नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई–अवैध MD ड्रग के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 1.20 लाख की ड्रग जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर को एक और बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच की टीम ने सिलिकॉन स्वस्तिक गेट नंबर-3, धार रोड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अवैध मादक पदार्थ 'ख्रु' के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 11.36 ग्राम एमडी बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 1,20,000 रुपए बताई जा रही है।

क्राइम ब्रांच की टीम शहर के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के दौरान धार रोड स्थित सिलिकॉन स्वस्तिक गेट नंबर-3 पर पहुंची, जहां स्कूटी के साथ खड़े दो युवक पुलिस को देखते ही घबराने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को रोका। पूछताछ में आरोपियों के नाम जफर पिता मौजूद खान निवासी चंदननगर और शाहनवाज पिता रियाजुद्दीन निवासी चंदननगर, इंदौर होना सामने आया।

संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए आरोपियों की तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से कपड़ों में छिपाकर रखा गया 11.36 ग्राम अवैध मादक पदार्थ 'ख्रु' बरामद हुआ। मौके से ड्रग्स बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध अपराध क्रमांक 209/2025, धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे सस्ते दामों पर ख्रु खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचते थे, जिससे अधिक लाभ कमा सकें। क्राइम ब्रांच आरोपियों से मादक पदार्थों के सप्लायर और नेटवर्क से जुड़ी जानकारी भी जुटा रही है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इंदौर शहर में नशे के व्यापार और इससे जुड़ी सभी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

शिव मार्तण्ड मंदिर परिसर में पुलिस आयुक्त ने की मोहल्ला मीटिंग, जन- संवाद के माध्यम से बढ़ाया जागरूकता का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 06/12/25 को थाना लसूड़िया क्षेत्र के स्कीम नंबर 78 स्थित शिव मार्तण्ड मंदिर परिसर गार्डन में पुलिस आयुक्त इंदौर द्वारा मोहल्ला मीटिंग और जन- संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों और पुलिस के बीच विश्वास, सहयोग और संवाद को मजबूत बनाते हुए सुरक्षा संबंधी जागरूकता को बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान बढ़ते साइबर अपराधों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त महोदय ने नागरिकों को चेताया कि ऑनलाइन फ्रॉड के तरीके तेजी से बदल रहे हैं, इसलिए मोबाइल कॉल, मैसेज और संदिग्ध लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। सुरक्षित डिजिटल लेनदेन और OTP/पासवर्ड को गुप्त रखने के महत्व पर भी जोर दिया गया। नशे के दुष्परिणामों को लेकर भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज सभी के लिए विनाशकारी है। युवाओं को नशे से दूर रहकर खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति अभियान और सहायता हेल्पलाइन की जानकारी भी उपस्थित लोगों को उपलब्ध कराई गई।

मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण के संबंध में गलत जानकारी देकर मीडिया और शहरवासियों को भ्रमित करने का प्रयास

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम द्वारा पहले चरण में 10 सड़कों का निर्माण कार्य किया जा रहा है, अन्य 13 सड़कों पर ड्रेनेज लाइन, नर्मदा लाइन डालने एवं मार्किंग करने का कार्य जारी है। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गवजी के नेतृत्व में मास्टर प्लान की सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की परिषद के नेतृत्व में शहर का सर्वांगीण विकास हुआ है और आगे भी होता रहेगा।

इंदौर दिनांक 6 दिसंबर 2025। विगत दिवस समाचार पत्रों के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष श्री चिंटू चौकसे द्वारा मीडिया में गलत जानकारी दी गई की शहर में विशेष सहायता योजना के अंतर्गत निर्माण किए जाने वाले सड़कों का कार्य शुरू नहीं हुआ है। असत्य जानकारी देकर मीडिया और शहरवासियों में भ्रम फैलाना श्री चिंटू चौकसे की आदत है। इसीलिए इन्होंने वास्तविक स्थिति जाने बिना गलत बात कही है, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि विशेष सहायता योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से 463 करोड की राशि से बनने वाली मास्टर प्लान की सड़कों का निर्माण महापौर के नेतृत्व में शुरू किया जा चुका है, जिसमें प्रथम चरण में 10 सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है।

महावर नगर बस्ती में होगा सौंदर्यकरण, स्कूल- आंगनवाड़ी का निर्माण; महापौर और आयुक्त ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महावर नगर बस्ती में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और क्षेत्र के समग्र विकास के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने आज क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, श्रृंगार श्रीवास्तव, पार्षद योगेंद्र सिंह गेंदर, भारत पारख, जोनल अधिकारी नदीम खान, भवन अधिकारी वैभव देवलासे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर और आयुक्त ने क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझा। नागरिकों की मांगों और क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए महावर नगर बस्ती में सौंदर्यकरण का कार्य प्राथमिकता से शुरू करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बस्ती क्षेत्र में सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए संबंधित लोगों को एक माह का नोटिस जारी कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए।

बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए महापौर ने बस्ती में स्कूल और आंगनवाड़ी स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के बच्चों को सहजता से शिक्षा और पोषण सुविधाएं मिल सकें। इसके साथ ही क्षेत्र में लंबे समय से बनी ड्रेनेज समस्या को दूर करने और जलनिकासी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए आवश्यक कार्य तत्काल प्रारंभ करने को कहा गया।

इसके अलावा बस्ती में स्थित बगीचों से अतिक्रमण हटाकर उनकी बाउंड्री वॉल तैयार करने, हरियाली बढ़ाने और व्यापक पौधारोपण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। महापौर ने कहा कि क्षेत्र की साफ-सफाई, हरियाली और बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाना नगर निगम की प्राथमिकता है, और इन सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। महावर नगर बस्ती के विकास संबंधी यह निर्णय स्थानीय नागरिकों के लिए बड़ी राहत और उम्मीद लेकर आया है।

रेलवे एवं एनडीआरएफ द्वारा शंभुपूरा यार्ड में सफल मॉक ड्रिल का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के शंभुपूरा यार्ड में रेलवे, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त सहयोग से आपदा प्रबंधन क्षमता का मूल्यांकन करने हेतु मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी दुर्घटना की स्थिति में निर्धारित समयसीमा में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी रूप से अंजाम देना था। 06 दिसंबर, 2025 को प्रातः 09.50 बजे कंट्रोल कार्यालय को सूचना प्राप्त हुई कि शंभुपुरा यार्ड के लाइन नंबर 12 पर एफटीआर साइट कोलिजन हुई है, जिसमें कुछ यात्री फंसे होने की संभावना है। सूचना मिलते ही रेलवे राहत गाड़ी, एआरटी (एक्सिडेंट रिलिफ ट्रेन), एआरएमई (एक्सिडेंट रिलिफ मेडिकल इक्यूपमेंट) तथा चिकित्सा दल को तुरंत सूचित किया गया तथा निर्धारित समायावधि में एआरटी एवं एआरएमई अपनी पूरी तैयारी के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हुआ। एनडीआरएफ टीम, कमांडेंट निशांत कुमार सिंह एवं उनकी लगभग 25 सदस्यीय टुकड़ी के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। रेलवे, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल प्रशासन, पुलिस बल, अग्निशमन दल एवं नागरिक सुरक्षा समिति के संयुक्त प्रयासों से घायलों को सुरक्षित निकालने का कार्य निर्धारित समय में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। राहत एवं बचाव कार्य पूर्ण होने के बाद इस घटना को रेल प्रशासन ने मॉक ड्रिल घोषित किया। संपूर्ण अभ्यास अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री के.एल. मीना के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री डी.एम. सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आयुक्त द्वारा जोन क्रमांक 9 क्षेत्र में किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा आज रेसकोर्स एरिया स्थित गार्डन जहाँ पर निगम द्वारा पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा है उसका निरीक्षण किया गया । इसके अलावा संत बालीनाथ उद्यान तथा जोन कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में सफाई व्यवस्था जोनल कार्यालय के रखरखाव, पानी की टंकी के निर्माण के संबंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, श्री नरेंद्र नाथ पांडेय,कार्यपालन यंत्री श्री संजीव श्रीवास्तव, श्री अश्विन जनवदे, श्री ओ पी कुशवाह, जोनल अधिकारी श्री अभिषेक सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जीएसीसी में बनेगा विद्यार्थी सूचना एवं सहायता केंद्र; विधायक गोलू शुक्ला ने किया भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक नया विद्यार्थी सूचना एवं सहायता केंद्र स्थापित किया जाएगा। शनिवार को इस केंद्र के निर्माण का भूमिपूजन क्षेत्रीय विधायक श्री गोलू शुक्ला द्वारा किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम से विधायक गोलू शुक्ला ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त संचालक डॉ. आर.सी. दीक्षित, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एस.एस. ठाकुर, डॉ. प्रकाश गर्ग, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. आशीष पाठक, डॉ. संजय प्रसाद सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यार्थी सूचना एवं सहायता केंद्र के निर्माण से कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रशासनिक जानकारी, शैक्षणिक दिशा-निर्देश, आवश्यक सहायता और करियर मार्गदर्शन एक ही स्थान पर उपलब्ध होगा, जिससे उनके महाविद्यालयीन अनुभव को और सुगम व बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने मस्कुलर डिस्ट्राफी बीमारी से पीड़ित बच्चों से से किया संवाद

राबर्ट नर्सिंग होम एण्ड रिसर्च सेंटर में मस्कुलर डिस्ट्राफी विषय पर कार्यशाला आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राबर्ट नर्सिंग होम एण्ड रिसर्च सेंटर इंदौर में आज शनिवार को मस्कुलर डिस्ट्राफी पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा शामिल हुए। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मस्कुलर डिस्ट्राफी बीमारी के उपचार के लिये जिला प्रशासन हर स्तर पर सहयोग करेगा। इस बीमारी के उपचार के लिये फिजियोथेरेपी ?चिकित्सा से लेकर दवाईयां आदि उपलब्ध करायेगा। जिला प्रशासन की ओर से अस्पताल में रेम्प लगाये जायेंगे ताकि मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चों को असुविधा न हो। इसके अलावा सामाजिक न्याय विभाग की ओर से दिव्यांग कार्ड बनाये जायेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने मस्कुलर डिस्ट्राफी कार्यशाला में पीड़ित बच्चों से कहा कि? घबराने और ?निराश होने की जरूरत नहीं है। वे अपनी पढ़ाई जारी रखे और दूसरों पर कम से कम निर्भर रहे। सामान्य लोगों से मिले और घरों से बाहर निकले। नियमित फिजियोथेरेपी सेंटर पर जाकर फिजियोथेरेपी चिकित्सा कराये। न्यूरोलॉजिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह को गंभीरता से ले। कलेक्टर श्री वर्मा ने राबर्ट नर्सिंग होम एण्ड रिसर्च सेंटर में संचालित मस्कुलर डिस्ट्राफी केयर सेंटर का अवलोकन किया और वहां चिकित्सा ले रहे बच्चों से खुलकर संवाद किया। यह आयोजन सोसायटी फॉर मस्कुलर डिस्ट्राफी के द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में श्री राबर्ट नर्सिंग होम के सचिव डॉ.विजय सेन यशलाह ने अस्पताल में चल रही विभिन्न सेवा गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इंडियन मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन सोलन (हिमाचल प्रदेश) की अध्यक्ष सुश्री संजना गोयल ने कहा कि मस्कुलर डिस्ट्रॉफी लगातार बढ़ते रहने वाला मांसपेशियों का एक अनुवांशिक रोग है, जो पूरी तरह ठीक नहीं होता है। इसमें व्यक्ति के शरीर की शक्तियाँ धीरे-धीरे कमजोर होती चली जाती हैं और वह चलने फिरने में असमर्थ हो जाता है। अंततः वह रोजमर्रा के कामों के लिए भी दूसरों पर आश्रित रहता है। मस्कुलर डिस्ट्रॉफी मुख्य रूप से नौ प्रकार की होती है। प्रत्येक वर्ष भारत में लगभग 4 हजार बच्चे मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से ग्रसित पैदा होते हैं। सामान्यतः यह बीमारी परिवार में एक से अधिक बच्चों को प्रभावित करती है। कुछ प्रकार के मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लक्षण बचपन में ही परिलक्षित हो जाते हैं, जबकि कुछ अन्य मामलों में किशोरावस्था या वयस्क होने पर इसके लक्षण दिखते हैं।

संस्था के प्रबंधक सुनील न्याती ने बताया कि मध्यप्रदेश में मस्कुलर डिस्ट्राफी बीमारी से करीब ड़ेढ सौ बच्चे पीड़ित है। इनमें से 42 बच्चे अकेले इंदौर जिले में है। कार्यशाला में आज इंदौर के अलावा खरगोन, मक्सी, उज्जैन, ग्वालियर आदि स्थानों से करीब 50 से अधिक बच्चे अपने माता पिता के साथ आये और उन्होंने यहां अपनी जांच के साथ फिजियोथेरेपी चिकित्सा भी ली। कार्यशाला में श्री अरूण कुमार मिश्रा ने बताया कि राबर्ट नर्सिंग होम में सोसायटी फॉर मस्कुलर डिस्ट्राफी सेंटर इसी वर्ष से शुरू किया गया है। यहां रोजाना 25 से अधिक मस्कुलर डिस्ट्राफी बीमारी से पीड़ित बच्चे आते है। जिनकी फिजियोथेरेपी चिकित्सा की जाती है। कार्यशाला में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रचना दुबे, डॉ. गिरीराज चेंडक, फिजियोथेरेपिस्ट सुश्री कोमल ठाकरे, श्री विठ्ठल शर्मा, डायटिशियन डॉ. विजेता जैन ने अपनी सेवाएं दी।

कार्यशाला में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हेमंत गुप्ता ने कहा कि मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से निन्शुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई जायेगी। कार्यशाला में श्री मन जैन, श्री शैलेन्द्र सोलंकी सहित मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चे और उनके परिजन उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने किया सांवेर क्षेत्र का सघन भ्रमण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र का सघन भ्रमण किया। इस दौरान वे हाल ही में विभिन्न दुर्घटनाओं में असमय मृत हुए बच्चों के परिजनों से मिले। मंत्री श्री सिलावट ने परिजनों को ढांढस बंधाया, दिवंगत बच्चों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मांगलिया में वे वाहन दुर्घटना में मृत बालिका भाग्यश्री गोस्वामी के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की।

इसी प्रकार चाइना मांझे (धागे) से हुई दुर्घटना में मृत बालक गुलशन जाटव के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की तथा परिवार को एकमुश्त 6 माह का राशन उपलब्ध कराने की बात कही। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बाईपास के अर्जुन बड़ौदा और बेस्ट प्राइस के सामने के ब्रिज का निर्माण जनवरी माह के अंत तक होगा पूरा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर क्षेत्र के विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर क्षेत्र का सघन भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बायपास रोड पर निर्माणाधीन अर्जुनङ्कबड़ौदा ब्रिज के कार्यों की प्रगति का स्थल पर पहुँचकर निरीक्षण किया। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ब्रिज का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ हर हाल में जनवरी माह के अंत तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य की गति बढ़ाई जाए, 24 घंटे निर्माण कार्य जारी रहे और आवश्यकता अनुसार श्रमिकों की संख्या भी बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि यह ब्रिज यातायात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चालकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए ब्रिज निर्माण पूर्ण होने तक डायवर्सन मार्ग की मरम्मत, पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था तथा सुगम यातायात सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के बावजूद यातायात बाधित नहीं होना चाहिए।

इसी क्रम में मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र में बेस्ट प्राइस के सामने निर्माणाधीन ब्रिज की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस ब्रिज को भी जनवरी माह के अंत तक पूर्ण करने के प्रयास किए जाएँ। इस संबंध में उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के रीजनल अधिकारी श्री श्रवण कुमार सिंह से मोबाइल पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। श्री सिलावट ने कहा कि इन दोनों महत्वपूर्ण ब्रिजों का शीघ्र निर्माण क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों तथा आम वाहन चालकों के लिए अत्यंत राहत प्रदान करेगा। प्रशासन और निर्माण एजेंसी समन्वय से कार्य कर समय सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

होमगार्ड दिवस पर कलेक्टर-एसपी ने बढ़ाया जवानों का मनोबल, उत्कृष्ट कार्यों का किया सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। होमगार्ड लाईन परिसर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कलेक्टर अदिति गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक परेड से हुई, जिसका नेतृत्व परेड कमाण्डर संदीप भँवर एवं टीयूआईसी जितेन्द्र कनोजिया द्वारा किया गया। होमगार्ड, सिविल डिफेंस एवं एनसीसी के जवानों ने अनुशासित व प्रभावी मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि द्वारा भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह तथा गृह सचिव गोविंद मोहन के संदेशों का वाचन किया गया। संदेश में होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठनों की राष्ट्र सेवा, आपदा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था तथा प्रशासनिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई। जवानों की निष्ठा, तत्परता और राष्ट्रहित की भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा म.प्र. की डायरेक्टर जनरल प्रज्ञा रीचा श्रीवास्तव, आई.पी.एस. का संदेश पढ़ा गया। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा प्रदेश में आपदा राहत एवं बचाव कार्यों को आधुनिक संसाधनों एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। चालू वर्ष में मानसून के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पन्न अतिवृष्टि के समय 1372 राहत एवं बचाव कार्यों में 5075 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर उनकी जान-माल की रक्षा की गई। इसी प्रकार 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स का व्यापक पंजीयन किया गया, जिसमें 82010 वॉलेंटियर्स पंजीकृत हुए तथा 67784 वॉलेंटियर्स को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

स्थापना दिवस पर एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड के जवानों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधिकारी, डीएफओ, अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, विभिन्न थाना प्रभारी एवं होमगार्ड/नागरिक सुरक्षा परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट वीरेन्द्रसिंह जादौन द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसके पश्चात आपदा प्रबंधन उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सभी जवानों की प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान अंतर्गत एक-रे एवं स्क्रीनिंग की गई। अंत में रस्सा-कस्सी, चम्मच दौड़ सहित विभिन्न खेलकूद गतिविधियाँ सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स एवं एनसीसी द्वारा आयोजित की गईं।

शामगढ़ के घटनाक्रम में ढीले रवैया से उपजा आक्रोश, आज भी शामगढ़ बंद की सूचना, डीआईजी पहुंचे मंदसौर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ में नाबालिग छात्रा को ब्लैकमेल करने के घटनाक्रम में प्रशासन के ढीला रवैया देखने को मिला है।

शुक्रवार शाम को थाने के घेराव के दौरान लोगों की मांग थी कि आरोपियों को जुलूस निकाले, लेकिन प्रशासन ने वह काम नहीं किया और आज शनिवार को फिर नगर बंद के बाद हिंदू संगठन का दबाव बढ़ता गया और आरोपी का मकान गिराया गया। हालांकि मकान की गैलरी एवं आगे की दीवार गिराई। फिर विरोध करने वाले लोग असंतुष्ट हो गए और बस स्टैंड पर फिर पुतला दहन किया। पुतला अधिकारी का जलाने की अपुष्ट सूचना है। आज भी शामगढ़ बंद की सूचना है। रात्रि में डीआईजी मंदसौर पहुंचे है।

बता दें कि शामगढ़ नगर में नाबालिग हिन्दू छात्रा का चाकू की नोक पर अश्लील वीडियो बनाने और फिर ढाई लाख रुपए लेने के बाद भी उसे वायरल किया गया था। वारदात को दो नाबालिग मुस्लिम युवकों ने अंजाम दिया। जिसके बाद शहर में तनाव है। इस मामले में पुलिस ने दोनों नाबालिगों को गिरफ्तार कर जैल भिजवा दिया है। घटना से नगर में तनाव और भारी आक्रोश है। इसके चलते पूरा शामगढ़ नगर बंद है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। थाना चौराहे पर आक्रोशित लोगों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। विधायक हरदीप डंग भी पहुंचे, जिनको भी विरोध झेलना पड़ा। उधर, डीआईजी निमिष अग्रवाल शनिवार रात्रि मंदसौर पहुंचे और जानकारी ली

79 वां अखिल भारतीय होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले में आज 6 दिसंबर को 79 वां अखिल भारतीय होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह होमगार्ड लाइन (परेड ग्राउंड) में आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह एवं एसपी श्री अमित कुमार ने परेड की सलामी ली। समारोह में अतिथियों द्वारा प्लाटून कमांडरो का परिचय प्राप्त किया गया। स्थापना दिवस पर संदेश का वाचन करते हुए मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने कहा कि होमगार्ड नागरिक सुरक्षा संगठन बल की ड्यूटी महत्वपूर्ण है, आपदा राहत के लिए नवीन तकनीक का प्रशिक्षण देकर बल का क्षमता वर्धन हुआ है। संगठन ने महाकुंभ, बाढ़ ,आपदा,अतिवृष्टि निर्वाचन सहित अनेक कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आपदा मित्र तैयार कर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कलेक्टर ने राष्ट सेवा के भाव से कार्य किए जाने के लिए होमगार्ड की प्रशंसा की। समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थी अक्षिता पिता रामचंद्र चौहान कक्षा दसवीं का 81त्न अंक लाने, पुरवा पिता गुणवंत चौहान का कक्षा 12 वीं में 85त्न अंक लाने , दानिश पिता शाकिर खान का एम बी ए में 76त्न अंक प्राप्त करने पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान आपदा राहत संबंधी उपकरण का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान सभी आवश्यक उपकरणों के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मास्टर प्लान का विरोध जारी : टीएंडसीपी के दो अधिकारियों का पुतला जलाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मास्टर प्लान के मास्टर पर मंदसौर में मास्टर स्ट्रोक यानी प्रदर्शन जारी है। शनिवार को टीएंडसीपी नीमच कार्यालय के दो अधिकारियों का पुतला जलाया गया। लोगों ने नारेबाजी की। बताया गया है कि कुल 1077 आपत्तियां थी, जिसमें से 400 आपत्तियाँ हटाने का आरोप है।

मास्टर प्लान के खिलाफ आम जनता और जनप्रतिनिधियों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगर के सर्व समाज ने एक बार फिर सड़क पर उतरकर टीएंडसीपी की प्रभारी अधिकारी विनिता दृश्यांमकर और बाबू सुनील माहौर का मंदसौर के गांधी चौराहा पर पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मास्टर में बड़े पैमाने पर अनियमितताएँ की गई हैं तथा 400 से अधिक आपत्तियाँ जानबूझकर हटाई गईं।

मास्टर प्लान की समीक्षा बैठक में गरजे थे जनप्रतिनिधि- मंदसौर के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधियों लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर समेत निवेश क्षेत्र के कई सरपंचों ने पहले ही मास्टर प्लान के प्रारूप को जनविरोधी बताते हुए उसे निरस्त करने के लिए पत्र लिखा है। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने टीएंडसीपी पर जनभावनाओं की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाया था गौरतलब है कि मास्टर प्लान के खिलाफ पहले धरना-प्रदर्शन, फिर शहर बंद, उसके बाद गधों की रैली और अब अधिकारियों का पुतला दहन हो रहा है। लगातार हो रहे आंदोलनों से स्पष्ट है कि जनता इस योजना को किसी भी रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

मिलीभगत कर मास्टर प्लान बनाने का आरोप- प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि टीएंडसीपी अधिकारियों ने मिलीभगत कर मास्टर प्लान को अपने हिसाब से तैयार किया है। योजना में जनसंख्या आंकड़ों से लेकर भू-उपयोग तक, तमाम जगहों पर भारी विसंगतियाँ बताई जा रही हैं। सांसद सुधीर गुप्ता ने भी पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए स्पष्टीकरण माँगा था, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है।

कृषि उपज मंडी में कट्टा लहसुन चोरी के मामले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी पिपलियामंडी क्षेत्र में लहसुन कट्टे की चोरी का मामला सामने आया है। व्यापारी अंकुर गोयल ने थाना पिपलियामंडी पहुँचकर घटना की सूचना दी, जिसके आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। व्यापारी ने अपनी रिपोर्ट में दो व्यक्तियों पर संदेह भी व्यक्त किया, इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हथकड़ी डालकर कोर्ट में पेश किया गया, जिन्हें जमानत मिल गई। पिपलिया मंडी चौकी प्रभारी भीमसिंह राठौड़ ने बताया कि फरियादी अंकुर पिता अशोककुमार गोयल, उम्र 38 वर्ष, निवासी जैन मंदिर गली, पिपलियामंडी ने शनिवार को पुलिस थाने पर दर्ज शिकायत में बताया कि वे कृषि उपज मंडी में लहसुन का व्यापार करते हैं। उनके मंडी परिसर में दो गोदाम क्रमांक 44 और 45 स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कृषि उपज का भंडारण होता है। फरियादी ने बताया कि दिनांक 05 दिसंबर 2025 को सुबह से उनके गोदाम के सामने बड़ी संख्या में लहसुन के कट्टे रखे हुए थे। दोपहर करीब 1.30 बजे जब उन्होंने कट्टों की जांच की, तो पाया कि उनमें से एक लाल जाली वाला 50 किलो वजन का कट्टा, जिसका बाजार मूल्य लगभग 1500 है, गायब है। अंकुर गोयल ने पुलिस को बताया कि उन्हें संदेह है कि पिपलियामंडी निवासी विनोद पिता कवरलाल लोहार व उन्हीं के गोदाम पर कार्यरत संजय पिता विनोदकुमार जोशी पर शंका है। दोनों ने रात के समय मौका पाकर कट्टा चोरी कर लिया होगा। फरियादी के अनुसार दोनों व्यक्तियों को मंडी क्षेत्र में अक्सर घूमते देखा जाता है। व्यापारी ने यह भी खुलासा किया कि इससे पूर्व भी उसके गोदाम से कट्टों की चोरी हो चुकी है, लेकिन उस समय उसने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। फरियादी अंकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी को लेकर बताया कि 05 दिसंबर को कामकाज में अत्यधिक व्यस्तता के कारण वह थाने नहीं आ सके। अतः अगले दिन, 06 दिसंबर 2025 को दोपहर 2 बजे पुलिस थाना पिपलिया मंडी में उपस्थित होकर उन्होंने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 303 (2) व 151 में अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। आरोपियों को नारायणगढ़ न्यायालय के बाद देर शाम दोनों आरोपियों को तहसील न्यायालय मल्हारगढ़ में पेश किया। दोनों जगह से आरोपियों को जमानत मिल गई। मामले की जांच प्रधान आरक्षक राजवीरसिंह यादव कर रहे है।

हाईकोर्ट की फटकार पर किसान नेता जोकचन्द का बड़ा आरोप, मल्हारगढ़ थाने को मिली 9वीं रैंक पर उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में 60वीं डीजीएसपी/आईजीएसपी कॉन्फ्रेंस में देशभर के पुलिस थानों की रैंकिंग घोषित की गई, जिसमें मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ थाना को 9वीं रैंक प्राप्त हुई। इसी बीच हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी और एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में पूरे थाने पर मिलीभगत के संकेत ने इस रैंकिंग को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए मंदसौर एसपी विनोद मीणा को 9 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश जारी किए हैं। जैसे ही यह खबर सामने आई, किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे फर्जी आंकड़ों पर आधारित रैंकिंग करार दिया। जोकचन्द ने कहा कि मल्हारगढ़ थाने को दी गई रैंक वास्तविकता से बिल्कुल मेल नहीं खाती। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलीभगत कर आकड़ों में हेरफेर किया, जिससे थाने का प्रदर्शन बेहतर दिखाया जा सके। किसान नेता जोकचन्द ने एक ताजा मामले का विस्तृत उल्लेख करते हुए बताया कि 29 अगस्त 2025 को बस से उतारे गए एक युवक पर मल्हारगढ़ पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत 2 किलो 700 ग्राम अफीम रखने का आरोप लगाया गया। युवक को बस से उतारते समय वह खाली हाथ था। जमानत अर्जी के दौरान वकील द्वारा बस का सीसीटीवी फुटेज मंगाया गया। फुटेज में युवक के पास कोई बैग या संदिग्ध सामान नहीं मिला। इसके बावजूद पुलिस ने उसे अफीम तस्करी का आरोपी बना दिया। जोकचन्द ने आगे बताया कि कई पुलिस अधिकारियों पर एनडीपीएस एक्ट फर्जी कार्रवाई के मामले अपहरण व रिश्वतखोरी के आरोप लगे, केस भी दर्ज हुए। लेकिन इन पर कार्रवाई के बजाए इन्हें सम्मान दिया जाकर पदोन्नति की जाती है, फर्जी कार्रवाईयों के लिए नारकोटिक्स विंग में भर्ती की जाती है। दागदार खाकी से आमजन का विश्वास उठता जा रहा है। देशभक्ति जनसेवा का नारा भी यह दागदार अधिकारी कलंकित कर रहे है। जोकचन्द ने कहा कि सरकार और प्रशासन को चाहिए कि फर्जी एनडीपीएस मामलों में बेगुनाहों को फंसाने वाले अधिकारियों की जांच की जाए। दोष सिद्ध होने पर उन्हें भी एनडीपीएस एक्ट की कठोर धाराओं में गिरफ्तार किया जाए व नौकरी से बर्खास्त किया जाए, तभी फर्जी कार्रवाई पर रोक लग पाएगी।

महाराणा प्रताप से पशुपतिनाथजी ब्रिज तक के रोड का चौड़ीकरण भी करें प्रशासन-रविन्द्र पाण्डेय

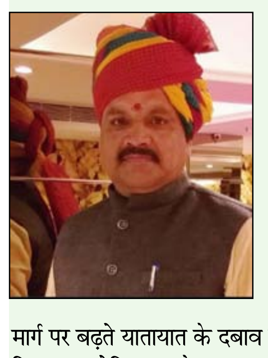

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराणा प्रताप बस स्टैंड से पशुपतिनाथजी सावरकर ब्रिज तक नयापुरा रोड को पर्याप्त चौड़ा करने की आवश्यकता है। आए दिन यहां पर आवागमन बाधित होता है। पूर्व में तत्कालीन नपाध्यक्ष प्रहलाद बंधवार एवं तत्कालीन लोक निर्माण विभाग के सभापति संजय मुरड़िया के कार्यकाल के समय नगर पालिका ने अपनी परिषद में इस मार्ग पर बढ़ते यातायात के दबाव को लेकर मार्ग चौड़ीकरण का प्रस्ताव पारित किया था, लेकिन उसके बाद यह प्रस्ताव शिथिल कर दिया गया। मंदसौर की जनता की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि महाराणा प्रताप बस स्टैंड से नयापुरा रोड होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर जाने के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है जिसकी प्रशासन को सुध लेना चाहिए यहां आए दिन जाम लगता है जिसके कारण रहागिरों को बहुत कठिनाई से गुजरना पड़ता है। पाण्डेय ने प्रशासन का ध्यान इस और आकर्षित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे से पशुपतिनाथजी ब्रिज तक आदर्श रोड बनाने के लिए अतिक्रमण मुक्त किया है। इसी प्रकार नयापुरा रोड को भी महाराणा प्रताप से बस स्टैंड से लेकर पशुपतिनाथजी के सावरकर ब्रिज तक अतिक्रमण मुक्त कर पर्याप्त चौड़ाई का रोड बनना चाहिए, जिससे निश्चित ही मंदसौर का आवागमन सुगम होगा और जनता को आवागमन में बहुत बड़ा लाभ होगा।

सिविल अस्पताल मनासा में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने सी.एम.एच.ओ. ने ली बैठक, दिए सख्त निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों समाचार पत्र में प्रकाशित सिविल अस्पताल मनासा में अव्यवस्थाओं संबंधी समाचार पर संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.खद्योत ने अस्पताल का औचक निरीक्षण कर, उपस्थित चिकित्सकों ,नर्सिंग स्टाफ एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की बैठक ली। सीएमएचओ ने सभी चिकित्सकों को निर्देश दिए कि बाजार से स दवाई किसी मरीज को प्रिसक्राइब नहीं की जाए। सभी प्रकार की आवश्यक दवाइयां अस्पताल में उपलब्ध हो यह खंड चिकित्सा अधिकारी सुनिश्चित करें। इसके लिए जिला औषधि भंडार से समन्वय कर मांग पत्र प्रेषित कर तत्काल समस्त दवाइयां प्राप्त करें।

इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में बेडशीट कंबल एवं ठंड से बचने के आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। आवश्यकता पड़ने पर रोगी कल्याण समिति के माध्यम आवश्यक सामग्री क्रय करने के निर्देश भी सीएमएचओ ने दिए।

सिविल अस्पताल मनासा में सोनोग्राफी व्यवस्था सुव्यवस्थित संचालित करने के निर्देश भी डॉ.खद्योत ने स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.बी.एल. भायल से चर्चा कर, दिए तथा सोनोग्राफी के व्यवस्थित संचालन के निर्देश देते हुए प्रत्येक गर्भवती महिला की सोनोग्राफी निःशुल्क करने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ. खद्योत ने कहा कि मरीजों की सेवा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ,सभी के समन्वित प्रयास से समुचित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करें।

रतनगढ़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धांजलि देकर मनाया गया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को देश के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ .भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर रतनगढ़ युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा श्रद्धांजलि के रूप में पुष्प माला दीप प्रचलित करके देश के संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश शर्मा द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर अंबेडकर ने संघर्ष करते हुए अपनी पढ़ाई की उन्होंने जहां दलित को सम्मान शोषितों को अपना अधिकार व पूरे देश में सभी को अपना-अपना हक दिलाने के लिए संविधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के सबसे पहले कानून मंत्री बने कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी डॉ भीमराव अंबेडकर पर अपने विचार प्रकट कीये व मौजूद समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि जिस तरह देश के संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है उस संविधान की रक्षा करने का सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष शब्बीर भाई बोहरा द्वारा की व संचालन अर्जुन बैरागी द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम में पधारे सभी का आभार युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अंकित शर्मा द्वारा माना गया कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस महामंत्री धीरज व्यास, जनपद सदस्य गोपाल धाकड़, जिला कांग्रेस महामंत्री राजेश लड़ा, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष कमल छपरीबंद , पूर्व ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष शंभू भाई चारण, पूर्व पार्षद लखन भाटी, वरिष्ठ नेता सुभाष व्यास, पूर्व पार्षद कमल व्यास, जिला अल्पसंख्यक महामंत्री मुजीब रहमान, ब्लॉक अनुसूचित अध्यक्ष राजेश सोलंकी, किसान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नानालाल चारण, वरिष्ठ नेता जगदीश बैरागी, सरफराज नीलगर, नासिर पठान, पिंकेश सोलंकी, नितिन सोलंकी, आयुष सोनी , अभिषेक सोनी, दीपक शर्मा, जाहिद खान, बालचंद सोलंकी, कल्पेश राठौर, इरशाद मंसूरी आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम अधिकारी अंकिता पंड्या ने आंगनवाड़ी केंद्र एवं शिशु गृह का निरीक्षण किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने शनिवार को परियोजना जावद और नीमच ग्रामीण के कुल 7 आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया । परियोजना जावद के आंगनवाड़ी केंद्र नयागांव क्रमांक 01,02,04 व 05 में बच्चों की उपस्थिति कम पाई जाने पर बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश कार्यकर्ताओ को दिए गए। केंद्र पर नाश्ता व भोजन की गुणवत्ता सुधार करने के लिए स्व सहायता समूह को निर्देशित किया गया। परियोजना नीमच ग्रामीण के आंगनवाड़ी केंद्र चैनपुरा खदान में एक भी बच्चा उपस्थित नहीं पाया गया,सहायिका भी निर्धारित यूनिफॉर्म में नहीं थी ।इस पर आंगनवाड़ी सहायिका का मानदेय कटौत्रा करने के निर्देश दिए व कार्यकर्ता को चेतावनी जारी की जा रही है। आंगनवाड़ी केंद्र बामन बर्डी क्रमांक 01 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका दोनों उपस्थित पाई गई तथा बच्चे भी भोजन करते पाए गये। आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 02 बामनबर्डी में आंगनवाड़ी सहायिका यूनिफॉर्म में नहीं मिली जिसके लिए चेतावनी जारी की जा रही है व बच्चों की उपस्थिति भी कम पाई गई। किचन शेड का अवलोकन भ बामनबर्डी कर रसोइयों को आवश्यक निर्देश दिए । सभी 7 केंद्रों पर बच्चों की उपस्थिति को नियमित करने,ईसीसीई गतिविधि पर विशेष ध्यान देने और नियमानुसार केंद्र संचालन के निर्देश दिए गए हैं । शिशुगृह नीमच के भी आकस्मिक निरीक्षण में 3 बच्चे आश्रय रत पाए गए । बच्चों से चर्चा की गई। व्यवस्था ठीक पाई गई तथा रिकॉर्ड भी अद्यतन पाया गया।

होमगार्ड लाईन में मनाया गया म.प्र.होमगार्ड एंव नागरिक सुरक्षा दिवस समारोह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला होमगार्ड लाईन कनावटी में शनिवार को म.प्र.होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा दिवस समारोह आयोजित किया गया। कलेक टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने इस अवसर पर आयोजित होमगार्ड की भव् य परेड़ का निरीक्षण कर, सलामी ली। कलेक टर एवं एसपी ने उत कृष् ट कार्य करने वाले होमगार्ड सैनिकों और उनके प्रतिभाशाली बेटे, बेटियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि प्रदान कर सम् मानित किया। इस मौके पर एसडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू, जिला कमाण डेंट होमगार्ड श्री युवराज सिह चौहान व अन् य अधिकारी उपस्थित थे।

होमगार्ड लाईन कनावटी में होमगार्ड स् थापना दिवस एवं नागरिक सुरक्षा दिवस पर आयोजित परेड़ का नेतृत व प् लाटून कमाण डेंट श्रीमती पुष् पा पंवार एवं श्री जयपाल सिह ने किया। प्रथम प् लाटून का नेतृत व प् लाटून कमाण डर श्री आजाद सिह, द्वितीय प् लाटून का नेतृत व श्री शंकर सिह तथा श्री सार्थक पाटीदार के नेतृत व में एनसीसी की प् लाटून, तथा गोविन् द धनगर के नेतृत व में सिविल डिफेन् स वालिंटियर की प् लाटून ने भव् य एवं आकर्षक मार्च पास् ट परेड प्रस् तुत की। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने होमगार्ड महानिदेशक सुश्री प्रज्ञा ऋचा श्रीवास् तव के होमगार्ड स् थापना दिवस के संदेश का वाचन किया।

कलेक टर एवं एस.पी. ने आपदा प्रबंधन में उत कृष् ट कार्य करने वाले पर सैनिक दिनेश धनगर, श्री यशवंत पंवार, श्री दशरथ गुंद्रात श्री लक्ष् मण सिह, श्री श् यामलाल धनगर, श्री श् याम लाल चौहान, श्री शंकरसिह, श्री जयपालसिह, श्री आजादसिह, श्री विक्रमसिह,श्री दुर्गालाल, एवं श्री भूरालाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम् माति किया। साथ ही नायक श्री भेरूलाल मालवीय की पुत्री सुश्री दिव् या मालवीय को बीएससी नर्सिंग में में 84 प्रतिशत अंक अर्जित करने पर 10 हजार रूपये, सैनिक ओमप्रकाश मेघवाल की पुत्री सुश्री पायल मेघवाल को बीएससी में 70 प्रतिशत अंक लाने पर दस हजार रूपये, नायक भेरूलाल मालवीय की पुत्री सुश्री वंदना मालवीय को डिप् लोमा इन लैब टैक नीशियन में 69.3 प्रतिशत अंक लाने पर 7500 रूपये तथा सैनिक विक्रम सिह चंद्रावत की पुत्री सुश्री राजेश्वरी चंद्रावत एवं सैनिक दिनेश धनगर के पुत्र गोविंद धनगर को दसवीं में सर्वाधिक क्रमशः 90.4 व 76.8 प्रतिशत अंक लाने पर क्रमशः 5 हजार व 3 हजार रूपये का चेक प्रदान कर सम् मानित किया।

सम्पादकीय

सैनिकों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक - ध्वज दिवस

भारत की धरती पर जब कभी गौरव, कर्तव्य और सर्वोच्च बलिदान की बात होती है, तो सबसे पहले हमारे उन वीर सैनिकों का स्मरण होता है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हर क्षण सतर्क और अडिग खड़े रहते हैं। सीमा पार बर्फ़ीली हवाओं के बीच शून्य से नीचे गिरते तापमान में वे साहस की जीवित दीवार बनते हैं, और तपते मरुस्थल की जलती रेत पर भी अटूट धैर्य, संकल्प और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक बने रहते हैं। इन्हीं अजेय योद्धाओं, पूर्व सैनिकों तथा शहीद परिवारों के सम्मान में प्रतिवर्ष 7 दिसंबर को भारतीय सशस्त्र सेना ध्वज दिवस मनाया जाता है, यह मात्र एक औपचारिक तिथि नहीं, बल्कि उस त्याग-परंपरा का स्मारक है, जिसने भारत को सुरक्षित, सक्षम और स्वाभिमानी बनाए रखा है।

ध्वज दिवस हमारी सैन्य विरासत को नमन करने का अवसर है और उस मानवीय भावना की याद भी दिलाता है, जिसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक हैं। 1949 में इसे सेना, नौसेना और वायुसेना के शहीदों, सेवारत और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए स्थापित किया गया, ताकि राष्ट्र उनके योगदान को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि सहयोग और सहभागिता के माध्यम से भी याद रख सके। आज यह दिवस नागरिकों की संवेदनशीलता और कृतज्ञता का प्रतीक है। झंडा खरीदना केवल प्रतीक है; असली उद्देश्य उस गहरे संदेश को समझना है कि हमारे सैनिकों का योगदान लौटाया नहीं जा सकता–परंतु उनके प्रति सम्मान, सहयोग और कृतज्ञता प्रकट करना हर नागरिक का अटल नैतिक दायित्व है।

ध्वज दिवस का उद्देश्य केवल धन-संग्रह भर नहीं है; यह वह पवित्र क्षण है जो नागरिक और सैनिक को एक अदृश्य किंतु अटूट सूत्र में बाँध देता है। सैनिक समाज से अलग होकर युद्ध नहीं लड़ते–वे उसी समाज के बेटे, भाई, पिता और पति होते हैं। वर्दी पहनते ही वे पूरे राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले लेते हैं। इस दिन नागरिक उनके त्याग, संघर्ष और आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करते हैं। यही वह अवसर है जब हम स्वीकारते हैं कि हमारा सुकून, हमारी नींद और हमारी स्वतंत्रता–सब कुछ उनकी अनथक चौकसी का प्रतिफल है।

भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं। आपदा प्रबंधन, शांति मिशन, बचाव कार्यों से लेकर सीमावर्ती गाँवों के पुनर्वास तक–हर संकट की घड़ी में वे राष्ट्र के सबसे विश्वसनीय प्रहरी बनकर सामने आते हैं। हिमालय की ऊँची चोटियों पर चौकन्ने खड़े जवानों से लेकर समुद्र की अनंत लहरों का सामना करते नौसेना, और आकाश को सुरक्षित रखने वाली वायुसेना तक–ये तीनों मिलकर भारत के आत्मविश्वास और सामर्थ्य की सुदृढ़ नींव रचते हैं। 7 दिसंबर का दिन केवल उनकी वीरता का स्मरण नहीं, बल्कि उस पेशेवर निपुणता, अनुशासन और मानवीय संवेदना का सम्मान भी है, जो सशस्त्र बलों की पहचान बन चुकी है।

आज जब विश्व बदलते भू-राजनीतिक तनावों से गुजर रहा है, सैनिकों की भूमिका और अधिक निर्णायक हो उठी है। कहीं आतंकवाद, कहीं सीमा तनाव, तो कहीं प्राकृतिक आपदाएँ–हर चुनौती में सबसे पहले आगे बढ़ने वाला वही साहसी हाथ होता है, जिसकी रगों में देशभक्ति रक्त की तरह प्रवाहित होती है। एक सैनिक का जीवन केवल शौर्य और अनुशासन तक सीमित नहीं होता; उसके पीछे वर्षों की कठिन साधना, परिवारों का मौन त्याग और अनिश्चितताओं से जूझता एक संवेदनशील मन भी होता है। ध्वज दिवस उन सभी अदृश्य बलिदानों को पहचानने, सराहने और उन्हें सम्मानित करने का दिवस है।

भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। आपदा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन, बचाव अभियानों और सीमावर्ती गाँवों के पुनर्वास तक–हर संकट में वे सबसे विश्वसनीय प्रहरी बने रहते हैं। हिमालय की बर्फ़ीली चोटियों पर चौकसी करते जवान, समुद्र की उग्र लहरों से जूझती नौसेना और आकाश की सुरक्षा में तैनात वायुसेना–तीनों मिलकर भारत की सुरक्षा, आत्मविश्वास और सामर्थ्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। 7 दिसंबर केवल उनकी वीरता का स्मरण नहीं, बल्कि पेशेवर दक्षता, अनुशासन और मानवीय मूल्यों का सम्मान भी है।

भारत आज चाँद पर अपने कदम जमा चुका है, दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है–फिर भी हमारे सैनिकों की सबसे बड़ी पहचान उनका साहस है, न कि उनके साधन। सीमा पर खड़ा वह जवान अपने कंधों पर देश का भार लिए रहता है, सुविधा नहीं–ज़िम्मेदारी लेकर। और सबसे अद्भुत बात यह है कि वह कभी रुकने की बात नहीं करता।

क्योंकि उसके लिए देश रक्षा कोई विकल्प नहीं, एक ऐसी प्रतिज्ञा है जिसे वह साँसों की तरह निभाता है। देश आगे बढ़ता है तकनीक से– पर सीमा सुरक्षित रहती है उसके अटूट इरादों से।

इसीलिए इस 7 दिसंबर, जब कोई जवान ध्वज लिए आपके सामने आए, सिर्फ पैसे मत दें। एक क्षण रुककर उसकी आँखों में देखें, वर्दी पर मेडल की चमक पढ़ें, थकान में छिपी दृढ़ता महसूस करें। प्यार और सम्मान से पूछें–कहाँ तैनात हैं, आप? और जब मुस्कुराकर बोले, सर, बताना संभव नहींज सीक्रेट है, तो सिर झुकाकर सैल्यूट करें। क्योंकि उसके हाथ में थमा वह छोटा-सा ध्वज कागज या कपड़े का टुकड़ा नहीं–वह उस जवान का धड़कता हुआ दिल है, जो हमारी सुरक्षा के लिए हर पल धड़क रहा है।

महानता के अहंकार से मुक्त हृदय प्रेममय व करुणामय होता है

सहजयोग की संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी ने अपनी अमृतवाणी में कई बार दिशा निर्देशित किया है कि मनुष्य को सभी प्रकार के बंधनों से अर्थात कंडीशनिंग से स्वयं को मुक्त रखना चाहिए। तभी आप के तार परम चैतन्य से जुड़ सकते हैं यहां बंधन मुक्ति तथा अनुशासनहीनता में अंतर है वह हमें समझना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनुशासन अत्यंत आवश्यक है विशेषतः सहजयोगी के लिए। हमारा जीवन सदैव बहती हुई नदी के समान गतिमान होना चाहिए, ना की ठहरे हुए तालाब की तरह परंतु यह ध्यान रखना चाहिए कि नदी तभी तक नदी होती है जब तक वह किनारों के अनुशासन में रहकर अपने मार्ग में आने वाली हर छोटी बड़ी बाधा को सहज प्रकृति से स्वीकार करते हुए अंत में सागर से एकाकार हो जाती है। कंडीशनिंग से श्री माताजी का तात्पर्य था कि हमें यह रंग पसंद है, तो यह खाना नापसंद है, हमें सोने के लिए निश्चित तरह का वातावरण अथवा बिस्तर चाहिए इत्यादि। इसके अतिरिक्त धार्मिक आडंबर को लेकर अपने व्यवसाय को लेकर रिश्ते नातों को लेकर हम अपने आप को अनेक सीमाओं में बांध लेते हैं, और यह सीमाएं हमारी अध्यात्मिक प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है। कंडीशनिंग हमारे अहंकार के तुष्टीकरण का कारण बनती है। श्री माताजी के पावन शब्दों में, मुझे यह पसंद है, मुझे यह पसंद नहीं यह शब्द उपयोग नहीं किए जाने चाहिए। कंडीशनिंग में जीते-जीते हम सिर्फ स्वयं से प्रेम करने लगते हैं। अपनी सुविधा ही आपका लक्ष्य बन जाती हैं और आप महानता के अहंकार में फंस जाते हैं।

अतः श्री माताजी ने कहा है, अहम की समस्या के कारण हम अत्यंत विघटित हैं छोटी-छोटी चीजों के विषय में यदि आपने अपना समय व्यर्थ करना है तो आप का विघटन बढ़ जाएगा। मुझे यह पसंद नहीं- मैं ऐसा नहीं करता- ऐसा मुझे दिखाई नहीं देता यह सभी निर्णय अहं के माध्यम से ही होते हैं। सहज योग द्वारा हम अपनी जीवनशैली में उपस्थित कंडीशनिंग को बहुत ही सहज रूप से जीत पाते हैं। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर आपके लिए यह कार्य अत्यंत सहज हो जाता है तथा व्यर्थ के बंधनों से स्वयं को मुक्त पाकर हमारा हृदय प्रेममय, विशाल व प्रफुल्लित हो जाता है। हमारा जीवन आध्यात्मिक, पारिवारिक, व्यवसायिक तथा सामाजिक प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिदिन नए-नए आयामों को छूने लगता है।

बचपन की ऑनलाइन बंदीः सुधा मूर्ति जी की चेतावनी

कभी-कभी समाज को झकझोरने के लिए सिर्फ एक आवाज़ काफी होती है, और इस बार वह आवाज़ राज्यसभा में गूंजी, जब सुधा मूर्ति जी ने बच्चों के डिजिटल शोषण पर सवाल उठाया। उनका वक्तव्य सिर्फ टिप्पणी नहीं था, बल्कि चेतावनी की तरह था जो हमें आईने के सामने खड़ा कर देती है। ऐसे समय में, जब सोशल मीडिया हमारे विचारों और आदतों पर हावी है, यह प्रश्न जरूरी हो गया था कि क्या हम अपने बच्चों को 'कंटेंट' बनाकर उनकी मासूमियत, स्वतंत्रता और बचपन कुर्बान कर रहे हैं? यह मुद्दा अब केवल संसद तक सीमित नहीं, बल्कि हर घर, हर परिवार और हर अभिभावक की दहलीज़ पर दस्तक दे रहा है।

आज की डिजिटल दुनिया में 'किडफ्लुएंसर' का उभार जितना आकर्षक लगता है, उतना ही भीतर से चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक है। माता-पिता अपने बच्चों को सजाकर, नचाकर, नृत्य कराकर और उत्पादों का प्रचार कराकर लाखों फॉलोअर्स और आर्थिक लाभ जुटाने में लगे रहते हैं। कैमरे के सामने मुस्कुराते ये बच्चे जितने प्यारे दिखते हैं, उतनी ही गहरी चिंता उनके मानसिक और भावनात्मक विकास को लेकर होती है। यह दृश्य भले ही चमकदार और खुशहाल लगे, लेकिन असल में यह शोषण का नया रूप है–जहां बचपन अब 'लाइक' और 'व्यूज़' की आर्थिक कीमत से मापा जाने लगा है।

इस चमक-दमक की दुनिया का सबसे गहरा और खतरनाक असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लगातार परफॉर्म करने का दबाव, माता-पिता की उम्मीदें, ट्रोलिंग और तुलना–ये सब मिलकर बच्चों को तनाव, चिंता और आत्म-पहचान के संकट की ओर धकेलते हैं। जब किसी बच्चे को यह समझ नहीं होता कि उसे क्यों फिल्माया जा रहा है या उसके वीडियो क्यों वायरल हो रहे हैं, तब भी वह अनजाने में एक ऐसे वातावरण का हिस्सा बन जाता है, जहां उसकी मासूमियत, भावनाएँ और निजता उत्पाद की तरह इस्तेमाल होने लगती हैं।

स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब बच्चों के खेलने, सीखने और सामाजिक कौशल विकसित करने का समय कैमरे और शूटिंग द्वारा घिर जाता है। वह उम्र, जो खुली हवा में दौड़ने, दोस्तों के साथ खेलने और अपनी कल्पनाओं को उड़ान देने के लिए होती है, अब कंटेंट कैलेंडर और शूट शेड्यूल में उलझती जा रही है। कई बच्चे यह मानने लगते हैं कि उनकी असली पहचान वही है जो सोशल मीडिया पर दिखाई देती है–और यह संकेत है कि वास्तविकता और डिजिटल छवि के बीच खाई बढ़ने लगी है।

दूसरे देशों की तरह भारत में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर अभी तक कोई व्यापक और ठोस कानून मौजूद नहीं है। फ्रांस जैसे देशों में बच्चों के ऑनलाइन काम के घंटे नियोजित हैं, उनकी कमाई पर सख्त निगरानी है, और 15- 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा नियम लागू हैं। ये मॉडल स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि विकसित समाज बच्चों को 'डिजिटल श्रम' और शोषण से बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इसके विपरीत, भारत में लाखों परिवारों के बच्चे सोशल मीडिया पर एक 'ब्रांड' की तरह प्रस्तुत किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा का कोई ठोस ढांचा नहीं है।

यह समस्या केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज की नींव को प्रभावित करती है। जब माता-पिता अपने बच्चों को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रखते हैं, तो अनजाने में सामाजिक असमानता भी बढ़ती है। संपन्न परिवारों के बच्चे स्टार बन जाते हैं, जबकि अन्य केवल दर्शक बने रहते हैं। इससे बच्चों में ईर्ष्या, अवसाद और असंतोष की भावनाएँ पैदा होती हैं, और सफलता की गलत परिभाषा स्थापित होती है–जहां पढ़ाई, खेल या रचनात्मक कौशल नहीं, बल्कि 'फ़ॉलोअर्स' और 'लाइक' को उपलब्धि माना जाने लगता है।

साथ ही, बच्चों की निजता पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इंटरनेट पर डाली गई एक तस्वीर या वीडियो हमेशा के लिए वहां बनी रहती है, और भविष्य में साइबर बुलिंग, पहचान चोरी या अन्य अनुचित उपयोग की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। यह खतरा लड़कियों के लिए और भी गहरा है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में उनका मार्ग तेजी से जटिल होता जा रहा है। सोचकर ही सिहरन होती है कि एक मासूम बच्ची की ऑनलाइन उपस्थिति का नियंत्रण उसके अपने हाथों में नहीं, बल्कि किसी और के आर्थिक हितों में बंधा है।

सुधा मूर्ति जी का तर्क बिल्कुल स्पष्ट और गंभीर है कि बच्चे अनुमति नहीं दे सकते, वे व्यावसायिक परिणाम को समझने में सक्षम नहीं हैं और अपने अधिकारों की रक्षा खुद नहीं कर सकते।

यही कारण है कि यह जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की नहीं, बल्कि पूरे समाज और सरकार की है कि वे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षित विकास और भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। भारत जैसे देश में, जहां बच्चे परिवार की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं, उनका व्यावसायिक इस्तेमाल न केवल व्यक्तिगत हानि है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और नैतिक जड़ों को भी कमजोर करता है।

आज की जरूरत है कि भारत एक व्यापक राष्ट्रीय नीति बनाए, जो बच्चों की सोशल मीडिया उपस्थिति को स्पष्ट और प्रभावी रूप से नियंत्रित करे। इसमें उम्र सीमा, अभिभावकीय सहमति, बच्चों की कमाई और काम के घंटों पर कड़ाई, डिजिटल गोपनीयता और व्यावसायिक मुद्रीकरण पर सख्त प्रतिबंध जैसे कदम शामिल होने चाहिए। जैसे विज्ञापनों में बच्चों के उपयोग को लेकर नियम बनाए गए हैं, उसी तरह सोशल मीडिया पर भी कानूनी ढांचा तैयार करना अब अपरिहार्य हो गया है।

यह बहस अब संसद तक सीमित नहीं रह सकती। विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों, तकनीक कंपनियों और अभिभावकों को मिलकर बच्चों के लिए एक सुरक्षित और संतुलित डिजिटल भविष्य की दिशा तय करनी होगी। हमें स्पष्ट करना होगा कि बच्चे केवल 'कंटेंट' नहीं हैं–वे संवेदनशील, जिज्ञासु और भावनात्मक प्राणी हैं, जिनके सपने, अधिकार और भावनाएँ किसी भी डिजिटल मंच से कहीं अधिक मूल्यवान हैं।

यदि हम अभी कदम नहीं उठाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे पूछेंगी कि हमने उनके बचपन को क्यों बाजार के हवाले कर दिया। सुधा मूर्ति की आवाज़ दरअसल हमारी चेतना को जगाने का अवसर है–हमें याद दिलाने का कि तकनीक तभी प्रगति है जब वह मानवीय मूल्यों और नैतिकता के साथ संतुलित हो।

बच्चों को इस डिजिटल चमक-दमक से मुक्त कर हम न केवल उन्हें सुरक्षित और संपूर्ण विकास का अवसर दे सकते हैं, बल्कि एक मजबूत, संवेदनशील और मूल्यवान समाज का निर्माण भी कर सकते हैं।

अब समय आ गया है कि यह बदलाव संसद से सड़क तक, और सड़क से हर घर तक पहुंचे–क्योंकि बच्चों की सुरक्षा और उनका बचपन ही किसी सभ्यता की असली पहचान और उसकी प्रगति की असली कसौटी है।

–प्रो. आरके जैन

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक-साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह-गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु-संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू-खून और घात-छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा। दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को अभियान, सैन्य घुसपैठ, और सरहद उल्लंघन करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे कायर दुश्मन कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा। यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है। पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया। उनकी मांग यह है कि तालिबान उन समूहों को खदेड़े, या उन्हें समाप्त करने की ठोस कार्रवाई करें। क्योंकि, पाकिस्तान का कहना है, जो भी उन्हें पनाह देता है, उकसाता है या फंड करता है, वह हमारे लोगों का मित्र नहीं हो सकता। तालिबान के लिए जिसे अब काबुल में सत्ता मिली है ।यह कहना आसान हो सकता है कि वे अपने देश के अंदर सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करेंगे। लेकिन उस रक्षा की भी कीमत चुकानी पड़ी है। जब पाकिस्तान ने उत्तर वजीरिस्तान और कुर्म बार्डर क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई और थल हमले किए, तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। इस बदलते परिदृश्य को यदि हम तत्कालीन इतिहास से जोड़कर देखें- 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान में फिर सत्ता सँभाली, पाकिस्तान की उम्मीदें बहुत थीं कि तालिबान न सिर्फ अफगान, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन में पाकिस्तान का साथ देगा।

–संजीव ठाकुर

अरावली की सिकुड़ती ढाल और दिल्ली का डूबता पर्यावरण

अरावली संरक्षण के दायरे को 100 मीटर की परिभाषा से सीमित कर देना–दिल्ली-एनसीआर की हवा, पानी और तापमान के लिए एक गहरी पर्यावरणीय चोट।

भारत के उत्तरी भूगोल में अरावली केवल एक पर्वतमाला नहीं, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिक दीवार, एक भूजल भंडार, एक शीतलन तंत्र और एक धूल-रोधी प्राकृतिक ढाल के रूप में जानी जाती है। किंतु हाल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पर्यावरण मंत्रालय की उस अनुशंसा को मान्यता देना, जिसमें केवल वे भूमि संरचनाएँ जो स्थानीय भू-स्तर से 100 मीटर से अधिक ऊँची हों अरावली की पहाड़ी कही जाएँगी, इस पूरी पर्वतमाला को अभूतपूर्व कानूनी और पारिस्थितिक संकट में डाल देता है। 100 मीटर से नीचे के छोटे-बड़े कटक, क्रीड़ा-रूप, पथरीली ढालें, झाड़-झंखाड़ वाले क्षेत्र और टूटे पहाड़, जो वास्तविक पारिस्थितिकी में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं, वे इस परिभाषा से लगभग बाहर हो जाते हैं। अनुमानतः 80ङ्क90त्न तक का वह भू-क्षेत्र, जो आज भी दिल्ली-एनसीआर को धूल, गर्मी, बाढ़ और जल-संकट से बचाता है, उसकी कानूनी रक्षा क्षीण हो जाने का डर स्पष्ट दिख रहा है।

इस परिभाषात्मक परिवर्तन से जो सबसे बड़ा खतरा खड़ा होता है, वह यह कि अरावली का संरक्षण अब ऊँचाई पर आधारित हो गया है, परिस्थितिक कार्यों पर नहीं। कोई भी पहाड़ी तंत्र अपनी जैव-भूगर्भीय भूमिका ऊँचाई से नहीं, बल्कि अपनी स्थिति, उसके जुड़ाव, उसकी जल-नालियों, मिट्टी की परतों, वनस्पति, पशु-आवागमन, हवा-रोध क्षमता, रंध्रिता और वर्षा संचयन पर आधारित होता है। अरावली की निम्न ऊँचाई वाली श्रृंखलाएँ, जो दूर से देखने पर साधारण टीले लगती हैं, वास्तव में NCR-Delhi के पारिस्थितिक संतुलन की रीढ़ हैं। इन्हें हटाने, काटने या इनके बीच कृत्रिम दरारें डाल देने का अर्थ है दिल्ली का प्रदूषण और बदतर, पानी और गहरा, तथा गर्मी और अधिक झुलसानेवाली।

अरावली का यह क्षरण केवल एक भूगोलिक घटना नहीं है, बल्कि यह दिल्ली की साँसों, नलकों, खेतों, हवा की दिशा, तापमान की प्रवृत्तियों और पूरे उत्तरी भारत के मानसूनी पैटर्न से सीधे जुड़ा हुआ प्रश्न है। दिल्ली-एनसीआर आज पहले से ही चरम प्रदूषण, गिरते भूजल, सूखे होते जलाशयों और 50 डिग्री के आसपास पहुँचती गर्मी से संघर्ष कर रहा है। ऐसे समय में, अरावली के प्राकृतिक कवच का सिकुड़ना, टूटना और उसकी निरंतर अवैध खनन-निर्माण से कमजोर होना एक ऐसे भारी पारिस्थितिक पतन का संकेत है, जो आने वाले वर्षों में दिल्ली की रहने-लायक स्थिति को ही बदल सकता है।

जब अरावली के पहाड़ काटे जाते हैं, तो सबसे पहले उनकी मिट्टी की पकड़ छूट जाती है। यह मिट्टी हवा के पहले झोंके में धूल बनकर उड़ती है। रेतीले कण, पथरीले अवशेष, टूटे हुए क्वार्ट्जाइट की महीन परतें ये सभी दिल्ली की हवा में बड़े सूक्ष्म कणों का हिस्सा बन जाते हैं। दिल्ली की भौगोलिक संरचना पहले ही ऐसी है कि हवा की प्रवाह गति शीतकाल में धीमी पड़ जाती है, और प्रदूषण फँसकर परतें जमा कर लेता है। अरावली की टूटी दीवारें इस प्रदूषण को न केवल कई गुना बढ़ा देती हैं, बल्कि राजस्थान की तरफ से आने वाली पश्चिमी हवाओं को बिना किसी अवरोध के धूल और गर्मी लेकर आने का रास्ता भी प्रदान करती हैं।

इस स्थिति का दूसरा पहलू दिल्ली के पानी से जुड़ा है। अरावली की पहाड़ियाँ भूमिगत जल के लिए प्राकृतिक पुनर्भरण क्षेत्र हैं। उनकी पथरीली सतहों में प्राकृतिक दरारें, बिखरे हुए खनिज, पथरीली नालियाँ और रंध्रता ये सभी वर्षा जल को धरती के भीतर कई सौ फीट तक खींचकर ले जाती हैं। किंतु जब पहाड़ियों को काटकर समतल कर दिया जाता है, या उन पर कंक्रीट और बस्तियाँ उग आती हैं, तब यह पूरी प्राकृतिक जल-प्रवाह प्रणाली टूट जाती है। पानी अब रिसता नहीं, बह जाता है। मिट्टी कटाव बढ़ता है, छोटे जलस्रोत नष्ट होते हैं, और भूजल recharge लगभग समाप्त हो जाता है। परिणाम यह कि दिल्ली-गुड़गाँव-फरीदाबाद-सोहना क्षेत्र में जलसंकट और गहरा हो जाता है। अनेक इलाकों में भूजल पहले ही 800-1000 फीट तक जा चुका है; अरावली के और कटने से यह स्तर खतरनाक रूप से और नीचे जाएगा। लेकिन आज सबसे बड़ा संकट, जिसे दिल्ली हर गर्मियों में महसूस करती है, वह है चरम ऊष्मा e&treme heat. अरावली का विस्तृत वन-तंत्र, उसकी झाड़ियाँ, उसके वृक्ष, उसकी ऊबड़-खाबड़ ढालें ये सभी प्राकृतिक शीतलन तंत्र (कूलिंग सिस्टम) का हिस्सा हैं। यह प्रणाली न केवल छाया और वाष्पोत्सर्जन से गर्मी कम करती है, बल्कि गर्म हवाओं को रोकने की प्राकृतिक क्षमता भी रखती है। परंतु जब पहाड़ियों को कंक्रीट, पक्की सड़कें और भवन निगल जाते हैं, तब पूरा क्षेत्र हीट-आइलैंड में बदल जाता है। अरावली का हर टूटा टुकड़ा दिल्ली के तापमान में 0.2ङ्क0.4 डिग्री की वृद्धि जोड़ देता है। और जब यह प्रक्रिया कई किलोमीटर तक फैल जाती है, तो दिल्ली की गर्मी औसतन कई डिग्री तक बढ़ जाती है।

और तब आता है अरावली का वह पहलू, जिसे भारत के कई भाग गंभीरता से नहीं लेते अरावली एक रेगिस्तान-रोधी दीवार है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल की पूर्वी सीमा के ठीक आगे खड़ी है। यदि यह पर्वतमाला कमजोर हो जाए, इनके बीच कृत्रिम रास्ते बन जाएँ, वृक्ष कट जाएँ या खनन से दरारें खुल जाएँ, तो राजस्थान की ओर से चलने वाली धूल, रेत और शुष्क हवाएँ बड़ी मात्रा में हरियाणा और दिल्ली तक पहुँचने लगेंगी। अरावली सदियों से रेगिस्तान को रोकने वाली प्राकृतिक सीमा रही है। यह सीमा कमजोर पड़ने का अर्थ है कि रेतीले क्षेत्र धीरे-धीरे दिल्ली की ओर खिसकेंगे इसे वैज्ञानिक भाषा में डेजर्टिफिकेशन की पूर्वगामी प्रवृत्ति कहा जाता है। इसका खतरा केवल धूल तक सीमित नहीं, बल्कि यह पूरी भूमि-उपजाऊ क्षमता, मिट्टी का प्रकार, जल-न्यूनता और स्थानीय जलवायु तक को बदल सकता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंता की बात यह है कि 100 मीटर की परिभाषा अरावली को टुकड़ों में बदल देगी। जब कोई भी पर्वतमाला एक सतत श्रृंखला रहती है, तभी वह अपनी पर्यावरणीय भूमिका निभा सकती है। लेकिन जब उसे 50-100 मीटर के अंतराल पर काट-काटकर अलग कर दिया जाता है, तो उसकी हवा, जल और तापमान से संबंधित भूमिकाएँ ध्वस्त हो जाती हैं। यह fragmentation न केवल कानूनी सुरक्षा को कम करता है, बल्कि अवैध निर्माणकर्ताओं को खुला निमंत्रण देता है कि वे उन भू-भागों को निर्माण योग्य मानें, जो अब पहाड़ नहीं माने जाएँगे। नतीजतन खनन, फार्महाउस, कंक्रीट, सड़कें, विला, रिज़ॉर्ट और उद्योग अरावली के शरीर को खोखला करते जाएँगे।

यह स्थिति दिल्ली के प्रदूषण को केवल बढ़ाती नहीं, बल्कि उसे स्थायी बनाती है। हवा में धूल बढ़ने का अर्थ है कि दिल्ली के समूचे वायुमंडल में PM-10 और PM-2.5 दोनों की मात्रा लगातार उच्चतर स्तर पर रहना। जब हवा के प्रवाह में अरावली की ढालें टूट जाती हैं, तो स्मॉग का बाहर निकलना कठिन हो जाता है। दिल्ली का भौगोलिक कटोरा-नुमा स्वरूप वैसे ही प्रदूषण को फँसा कर रखता है; यदि उसके एकमात्र पश्चिमी-दक्षिणी सांस लेने के रास्ते अर्थात् अरावली के छिद्र भर दिए जाएँ, तो यह संकट और भी विकराल हो जाएगा।

भूजल के स्तर के गिरने का प्रभाव केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन उत्पन्न करता है। जब भूजल की सतह लगातार नीचे जाती है, तो मिट्टी की नमी कम होती है, खेतों की सिंचाई कठिन होती है, शहरी हरियाली सूखती है, और अंततः तापमान और तेजी से बढ़ता है। इस प्रकार अरावली का क्षरण दिल्ली की गर्मी को अप्रत्यक्ष रूप से भी बढ़ाता है।

गर्मी बढ़ने से न केवल अस्वस्थता, बल्कि बिजली की खपत, जल की माँग, शहरी ताप-दबाव और दुर्घटनाएँ तक बढ़ जाती हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में स्पष्ट किया गया है कि दिल्ली में गर्मी का 30-40त्न नियंत्रण अरावली के वन-कवच पर निर्भर है। इस कवच के हटते ही दिल्ली को आने वाले दशक में 50-52 डिग्री की गर्मी स्थायी रूप से महसूस होने लगेगी। प्रश्न यह है कि समाधान क्या है? पहला समाधान यही है कि अरावली की कानूनी परिभाषा ऊँचाई आधारित नहीं, बल्कि परिस्थितिक कार्य आधारित होनी चाहिए। दूसरा यह कि वन, चरागाह, झाड़ी-वन, पथरीले परिदृश्य इन सभी को अरावली का हिस्सा मानकर संरक्षित किया जाए। तीसरा, खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए और अवैध निर्माणों को कठोरता से हटाया जाए। चौथा, टूटे पहाड़ों का पुनरुत्थान किया जाए मिट्टी भरकर, देशज प्रजातियों के वृक्ष लगाकर और जलसंचयन संरचनाएँ बनाकर। पाँचवाँ, भौतिक-प्राकृतिक निरंतरता पुनः स्थापित की जाए, ताकि पूरे NCR-Delhi को एक सघन, अविच्छिन्न पर्यावरणीय कवच प्राप्त हो सके।

– डॉ. सत्यवान सौरभ

पुतिन का भारत दौराः वैश्विक शक्ति संतुलन का बड़ा संदेश

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दो दिवसीय भारत के दौरे पर हैं। यात्रा का दूसरा दिन दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत समारोह और राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के बाद पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैदराबाद हाउस में विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस बैठक में व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, परमाणु तकनीक और आतंकवाद जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बहुपक्षीय सहयोग पर सहमति बनी। सबसे बड़ी बात यह है कि आतंकवाद पर दोनों देश एक साथ आगे आएं हैं और दोनों देशों के बीच 100 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर सहमति बनी है,जो बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम् है। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति के इस दौरे से भारत-रूस के बीच अहम करार किया गया है तथा 2030 तक आर्थिक समझौते पर मुहर लग गई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने ऊर्जा आपूर्ति पर अमरीका को अप्रत्यक्ष संदेश देते हुए कहा कि रूस किसी दबाव में नहीं झुकेगा और भारत को ईंधन निरंतर उपलब्ध कराता रहेगा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि कुछ समय पहले अमेरिका ने भारत की ईंधन आपूर्ति, खासतौर पर रूस से कच्चे तेल की बढ़ती खरीद पर यह कहा था कि इससे रूस को आर्थिक मजबूती मिलती है और अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन युद्ध को समर्थन मिलता है। अमेरिकी प्रशासन ने भारत से अपील की थी कि वह रूसी तेल पर अपनी निर्भरता कम करे और वैकल्पिक स्रोतों से ऊर्जा खरीद बढ़ाए। साथ ही अमेरिका ने यह भी माना कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और सस्ती कीमतों को ध्यान में रखकर फैसले ले रहा है, इसलिए उस पर सीधे प्रतिबंध नहीं लगाए गए, बल्कि इसे एक राजनयिक चिंता के रूप में रखा गया। हालांकि, भारत ने जवाब में यह साफ कहा था कि उसकी तेल आयात नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हित और आम जनता को सस्ता ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तय होती है। हाल फिलहाल, गौरतलब है कि टूरिज्म, शिक्षा और कारोबारी आवाजाही बढ़ाने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी नागरिकों के लिए 30 दिनों की निःशुल्क वीजा व्यवस्था की घोषणा की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह सुविधा समूहों पर भी लागू होगी। इसके साथ ही मैनपावर मोबिलिटी एग्रीमेंट के जरिए भारत से प्रशिक्षित जनशक्ति रूस में रोजगार के अवसर प्राप्त करेगी। पुतिन ने बताया कि रूस भारत को पोर्टेबल न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराएगा, जिससे स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा क्षमताओं में वृद्धि होगी। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, शिपिंग, ट्रांसपोर्ट, उर्वरक, कस्टम और डाक सेवा से संबंधित समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। वास्तव में, दोनों देशों के बीच इन करारों से आने वाले वर्षों में भारत-रूस सहयोग को बहुआयामी गति मिलेगी और दोनों देश वैश्विक चुनौतियों का संयुक्त रूप से सामना करने की स्थिति में अधिक सक्षम बनेंगे। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त प्रेस वार्ता में यह बात कही है कि भारत-रूस संबंध वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद आठ दशकों से एक ध्रुव तारे की तरह स्थिर रहे हैं। भारत और रूस ने 2030 तक के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग विजन को अंतिम रूप दिया है।

-सुनील कुमार महला

कैंपस प्लेसमेंट में धांधलीः नैतिकता और छात्र हितों का हनन

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है, बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है। निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थिति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा।

– ललित गर्ग

देवास का जिला अस्पताल- 'जनता का अस्पताल' या कथित दलाल तंत्र का मुख्य केंद्र?

गर्भवती महिलाओं को कमीशन पर धकेलने के आरोपों ने खोली पोल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले का महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय आज जिस हालत में खड़ा है, उसे देख कर यही सवाल उठता है क्या यह अस्पताल है, या सिर्फ एक ट्रांज़िट पॉइंट जहाँ से मरीजों को निजी संस्थानों की तरफ़ धकेला जाता है?

स्थानीय नागरिकों, सूत्रों और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप गंभीर और चौंकाने वाले हैं। कहा जा रहा है कि अस्पताल के भीतर एक कथित रेफरल रैकेट चल रहा है–एक ऐसा नेटवर्क, जो गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बावजूद निजी अमलतास मेडिकल कॉलेज की ओर मोड़ देता है, और बदले में कमीशन चलता है।

डिलीवरी का केस पहले रेफरल की रसीद कटवा लो!

यह आरोप बार-बार सुनाई दे रहा है।

परिजनों का कहना है कि जैसे ही प्रसव का केस आता है, डॉक्टरों की पहली प्रतिक्रिया होती है- यहां सुविधा नहीं है, आप अमलतास अस्पताल चले जाइए।

जबकि आम जनता पूछ रही है की फिर सरकार करोड़ों रुपये क्यों झोंकती है जिला अस्पताल में ?

अमलतास की एंबुलेंस–अस्पताल परिसर की स्थायी सजावट ?

लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में बार-बार दिखती वही निजी एंबुलेंस एक अलग ही कहानी कहती है ।

कई लोग इसे ओपन सीक्रेट कहते हैं। सूत्रों का कहना है कि अमलतास मेडिकल कॉलेज द्वारा जिला चिकित्सालय के कुछ चिकित्सकों को मरीजों को रेफर करने के एवज में 1000 से 2000 प्रति मरीज दिया जाता है सूत्रों ने यहां तक भी बताया कि इसकी गंभीरता से जांच की जाना चाहिए और दोषी चिकित्सकों को तुरंत निलंबित कर कार्रवाई करना चाहिए !

अनुभवहीन हाथों में गर्भवती महिलाएँ- सूत्रों का दावा है कि निजी संस्थान में अनुभवहीन इंटर्नों (जो मेडिकल की पढ़ाई करने कॉलेज में आए हैं) ऑपरेशन करवाने जैसी गंभीर शिकायतें सामने आती रही हैं ।

यह आरोप जितना भयानक लगता है, उतना ही खतरनाक भी है- क्योंकि यहाँ खेल सिर्फ पैसों का नहीं, ज़िंदगी का है।

सरकारी अस्पताल–सुविधाएँ मौजूद, लेकिन जवाबदेही गायब !

कई परिजन कहते हैं- हमने देखा कि सब मशीनें, स्टाफ और संसाधन मौजूद हैं ।

तब भी रेफर क्यों किसके कहने पर किसके हित में

सबकी आंखों के सामने खेल, लेकिन कार्रवाई शून्य!

सबसे बड़ा सवाल यही है कि

क्या स्वास्थ्य विभाग सो रहा है, या जानबूझकर आँखें बंद किए बैठा है ?

शिकायतें दर्ज होती रहीं, आवाजें उठती रहीं, लेकिन किसी विभाग ने यह नहीं पूछा कि सरकारी अस्पताल गर्भवती महिलाओं से मुँह क्यों मोड़ रहा है।

जनता का सीधा सवाल- क्या देवास जिले की गरीब महिलाएँ कमीशन का जरिया हैं ?

क्या सरकारी डॉक्टरों का पहला काम जनता का इलाज है या रेफरल स्लिप काटना ?

क्या जिला अस्पताल ने अपनी आत्मा बेच दी है ?

देवास की जनता अब खुले तौर पर कह रही है- इस पूरे प्रकरण का सच सिर्फ स्वतंत्र जांच ही उजागर कर सकती है ।

जब तक जांच नहीं होती, यह सवाल देवास के अस्पतालों और प्रशासन की साख पर काले धब्बे की तरह लगा रहेगा।

सूरत बदली सीरत नहीं सरकार द्वारा जिला अस्पताल के कायाकल्प हेतु करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए इससे यहां की सूरत तो बदल गई लेकिन सीरत अभी तक नहीं बदली है जिला अस्पताल की व्यवस्था को सुधारने के लिए कई बार आवाज उठाई गई लेकिन नतीजा शिफर निकला कितने ही कलेक्टर आए और गए लेकिन यहां की व्यवस्था में जरा सा भी सुधार नहीं कर पाए वर्तमान कलेक्टर ऋतुराज सिंह जब देवास आए थे तब सबसे पहले पत्रकारों ने जिला अस्पताल के अव्यवस्था को लेकर ही उनसे प्रमुखता से चर्चा की थी दो-चार दिन शक्ति बरतने के बाद फिर वही ढर्रा शुरू हो गया है स्थिति यह है कि जिला अस्पताल की हालत जस की तश है और यहां की कमान दलालों के हाथ में पहुंचती नजर आ रही है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मध्यप्रदेश को दी बधाई, मतदाता सूची पुनरीक्षण में हासिल की बड़ी उपलब्धि

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को वर्चुअल बैठक के माध्यम से देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में हो रही उत्कृष्ट प्रगति की सराहना करते हुए प्रदेश को बधाई दी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश, श्री संजीव कुमार झा ने बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश के सभी नागरिकों , शासकीय कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है और निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों व निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। श्री झा ने बताया कि मध्यप्रदेश के 28 जिलों में 100 प्रतिशत, 22 जिलों में 99 प्रतिशत से अधिक तथा शेष 5 जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में अब तक 5 करोड़ 26 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है, जो कुल कार्य का 99 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि मतदाता सूची को पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण कदम को दर्शाती है।

गांव को तंबाकू मुक्त बनाने हेतु प्रशिक्षण एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के प्रभावी एवं सुचारू संचालन के उद्देश्य से आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहमदपुर तथा उपस्वास्थ्य केंद्र कुआंखेड़ी पर विशेष प्रशिक्षण एवं तंबाकू निषेध शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य टीम द्वारा ग्रामीणों एवं युवाओं को तंबाकू सेवन से होने वाले हानिकारक प्रभावों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। तंबाकू से होने वाले कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, दांत एवं फेफड़ों की बीमारियाँ सहित अनेक स्वास्थ्य जोखिमों पर जागरूकता बढ़ाई गई। ग्रामीणों को समझाया गया कि तंबाकू केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार एवं समाज के आर्थिक-सामाजिक पक्ष को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू मुक्त ग्राम बनाने का संकल्प दिलाया गया। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से तंबाकू सेवन एवं उसके प्रचार-प्रसार से दूर रहने की शपथ ली। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण मेडिकलऑफिसर,सुपरवाइजरएम.पी.डब्ल्यू.,सी.एच.ओ.,ए.एन.एम.मलेरिया निरीक्षक,नोडल एन.टी.सी.पी. अधिकारी सभी अधिकारियों ने मिलकर अभियान को सफल बनाने हेतु सामुदायिक सहभागिता, जनजागरूकता एवं विद्यालय-स्तरीय गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा देने पर जोर दिया। यह कार्यक्रम गांव को तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा अभियान 3.0 को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

कलेक्टर के निर्देश पर निरीक्षणकर्ता कर रहें हैं स्कूलों एवं छात्रावासों का निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार निरीक्षणकर्ता लगातार शासकीय विद्यालयों और छात्रावासों का निरीक्षण कर रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर द्वारा जिले की 1100 से अधिक शालाओं के निरीक्षण के लिए निरीक्षणकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है, जो निर्धारित अवधि में विद्यालयों की शैक्षणिक, भौतिक एवं प्रशासनिक स्थिति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन कर अपनी दैनिक रिपोर्ट जिला कार्यालय में जमा कर रहे हैं। इसी क्रम में आज भी निरीक्षण दलों ने जिले के सभी विकासखंडों के स्कूलों एवं छात्रावासों का भ्रमण कर उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, स्वच्छता, मध्याह्न भोजन, अधोसंरचना, छात्रावासीय व्यवस्थाओं सहित विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का परीक्षण किया। इस दौरान निरीक्षणकर्ताओं ने आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दर्ज किए, ताकि शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। निरीक्षण अभियान 8 दिसंबर तक सतत रूप से जारी है, तथा सभी निरीक्षणकर्ताओं को निर्धारित प्रपत्र के अनुसार सात दिवस में सटीक एवं तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को सही दिशा देने का अभियान है सांसद खेल महोत्सव - राजस्व मंत्री

सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए शामिल राजस्व मंत्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा इछावर तहसील में दीवाड़िया मंडल द्वारा सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित मंडल स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विजेता खिलाड़ी टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और उन्हें खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और खेल भावना को सही दिशा देने का एक बड़ा अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में खेल को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के लिए यह महोत्सव एक महत्वपूर्ण मंच है। ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आज यहां अपनी क्षमता दिखा रहे हैं, यही खिलाड़ी आगे चलकर जिले, प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल हमें अनुशासन, एकजुटता, मेहनत और सकारात्मक सोच सिखाता है। जीत-हार खेल का हिस्सा हैं, लेकिन असली जीत उस भावना की होती है जिससे हम मैदान में उतरते हैं। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन ग्रामीण खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं और युवाओं को आगे बढ़ने का बड़ा अवसर प्रदान करते हैं, जिससे प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा को निखार सके और खेलों के माध्यम से अपना उज्ज्वल भविष्य बना सके।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीजनल एनफ्लूऐन्जा की रोकथाम, बचाव और नियंत्रण के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि मौसम में होने वाले बदलाव के कारण सर्दी-खाँसी (इन्फ्लूएंजा) के लक्षण दिखाई दे सकते हैं, इसलिए इस संक्रमण से बचाव के लिये व्यक्तिगत व्यवहार में परिवर्तन आवश्यक हैं। सीएमएचओ सुधीर डेहरिया ने बताया कि इन मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, समाजिक दूरी, मास्क पहनना आवश्यक है, ताकि संक्रमण न फैले। उन्होंने बताया कि संवेदनशील समूह जैसे छोटे बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं, लंग्स इन्फेक्शन, डायबटीज, हृदय रोग, क्रोनिक लीवर वाले मरीजों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। यदि बुखार, खाँसी, तीव्र स्वशन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि सभी आमजन स्वंय को इस बदलते मौसम में मौसमी संक्रमण से बचाव के लिये जागरूक रहें और सर्दी, खॉसी, बुखार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क कर उपचार लें।

आष्टा- रानीपुरा जल परियोजना - सीहोर के गाँवों में विकास की नई धारा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले में ग्रामीण जीवन को बदलने वाली आष्टा- रानीपुरा समूह जल प्रदाय परियोजना आज एक मील का पत्थर बनने जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत 1478 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रही यह परियोजना केवल एक विकास कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने वाला सशक्त माध्यम है। सुरक्षित पेयजल की कमी से परेशान सैकड़ों गांवों के लिए यह योजना उम्मीद की ऐसी किरण बनी है, जिसने क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा दी है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य 719 गांवों के 91,972 परिवारों तक नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है और प्रशासन की दृढ़ता तथा सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज इस परियोजना की कुल भौतिक प्रगति 62 प्रतिशत हो चुकी है। इंटेक वॉल का 65त्न, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का 70त्न, तथा 245 में से 175 ओवरहेड टैंक पूर्ण हो चुके हैं। 05 इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों में से 3 का निर्माण भी पूरा हो चुका है, जबकि 4,625 किमी लंबी पाइपलाइन में से 2,225 किमी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। यह गति सिद्ध करती है कि यह परियोजना किस तरह एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी कार्यप्रणाली के साथ आगे बढ़ रही है।

इस परियोजना के पीछे केवल तकनीकी प्रगति ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक नेतृत्व और जनसहभागिता का शानदार समन्वय भी है। मध्यप्रदेश जल निगम, जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सतत निरीक्षण एवं मार्गदर्शन ने परियोजना को मज़बूत आधार प्रदान किया है। वहीं ग्राम स्तर पर जल समितियों की सक्रिय भागीदारी ने इस योजना को स्थायी और सामुदायिक स्वरूप दिया है। परियोजना के पूर्ण होने पर आष्टा रानीपुरा क्षेत्र के गांवों में हर घर नल से जल पहुँचने लगेगा। इससे महिलाओं और बच्चों को पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी, जलजनित रोगों में कमी आएगी, स्कूली शिक्षा में नियमितता बढ़ेगी और स्वास्थ्य स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह योजना सिर्फ पेयजल उपलब्ध कराने की पहल नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक परिवर्तन लाने वाला सामाजिक आर्थिक सुधार भी है।

आष्टा रानीपुरा समूह जल प्रदाय परियोजना इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार की नीतियाँ, प्रशासन की कार्यकुशलता और जनता की सहभागिता एक साथ काम करती है, तब बदलाव केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि ज़मीन पर दिखाई देता है। यह परियोजना आने वाले समय में सीहोर जिले की सबसे प्रेरक परियोजना के रूप में याद की जाएगी–एक ऐसी परियोजना जिसने हजारों परिवारों के जीवन में स्वच्छ जल की धारा के साथ उम्मीद, स्वास्थ्य और विकास की नई शुरुआत की।

जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय विदिशा के सभागार में कलेक्टर एवं जिला रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अस्पताल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा जनहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए मरीजों के हित में बेहतर, तेज और सुगम उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक के प्रमुख निर्देश एवं निर्णय डायलिसिस इकाई का समय बढ़ाया जाए, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को समय पर डायलिसिस सेवा उपलब्ध हो सके। ब्लड बैंक में रक्तदान को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश। सिरोंज एवं गंजबासौदा में ब्लड बैंक प्रारंभ करने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश, ताकि दोनों क्षेत्रों के मरीजों को तत्काल रक्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को उत्तम चिकित्सा सुविधा एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने पर विशेष बल। सभी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारीगण समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहें, इसके लिए कलेक्टर ने सख्त निर्देश जारी किए। अस्पताल में स्वच्छता, दवा उपलब्धता, उपकरण रखरखाव तथा ओपीडी आपातकालीन सेवाओं की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जिला चिकित्सालय विदिशा में नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ सहज रूप से उपलब्ध हों।

जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला 8 दिसम्बर को

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय,मध्यप्रदेश एवं यूनिसेफ,मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला 8 दिसम्बर को आयोजित होगी। आयुक्त एवं मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) आर्थिक एवं सांख्यिकी, श्री विकास मिश्रा ने बताया कि कार्यशाला सुबह 10 बजे से आर.सी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में होगी।

आयुक्त एवं मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री मिश्रा ने बताया कि बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र उसकी एक पहचान है जो उसकी जन्म दिनांक एवं जन्म के स्थान को दर्शाती है। अक्टूबर 2023 से जन्म प्रमाण पत्र एक मात्र दस्तावेज जो हर क्षेत्र में मान्य किया जायेगा, चाहे वह स्कूल में एडमिशन हो नौकरी हो पासपोर्ट बनवाना हो इत्यादि। मृत्यु प्रमाण पत्र किसी भी व्यक्ति की मृत्यु का प्रमाण है जो यह बतलाता है कि वह अब इस दुनिया में नहीं है एवं उससे जुड़े समस्त क्लेम आदि उसके उत्तराधिकारी को दिए जा सकते है, का एक प्रमाणिक दस्तावेज है।

मध्यप्रदेश विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियम 2008 के अनुसार विवाह रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य है, जो दो नवदम्पति की शादी का प्रमाण होता है, जिसके अभाव में व्यक्ति को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इन दस्तावेजो की आवश्यकता एवं महत्ता को देखते हुए तथा इसकी उपलब्धता को आमजन तक पहुचाने एवं इसकी प्रक्रिया को सरल करने के सम्बन्ध में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा लगातार अथक प्रयास किये जा रहे है।

होमगार्ड स्थापना दिवस पर समारोह आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड स्थापना दिवस के अवसर पर सीहोर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड कार्यालय पर स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने परेड की सलामी ली और जवानों का उत्सावर्धन किया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा होमगार्ड महानिदेशक के संदेश का वाचन भी किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला द्वारा होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ सैनिकों के मेधावी बच्चों को चेक और वर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सैनिकों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। परेड के बाद ऑक्सफोर्ड स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात बच्चों और अभिभावकों के लिए मनोरंजक खेल गतिविधियों रस्साकसी, दौड़ और कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में परेड का नेतृत्व प्लाटून कमांडर श्री अशोक पाटीदार ने किया, जबकि एएसआई श्री सीएस चंदेरिया ने टू आईसी के रूप में परेड का संपादन किया। कार्यक्रम में संदेश वाचन के बाद आकर्षक मार्चपास्ट निकाला गया, जिसमें 02 होमगार्ड प्लाटून, 01 सिविल डिफेंस महिला प्लाटून, 01 सिविल डिफेंस पुरूष प्लाटून, ऑक्सफोर्ड स्कूल बैण्ड, पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की एनसीसी टुकड़ी तथा एसडीईआएफ वाहन परेड सम्मिलित हुए। सभी प्लाटूनों ने कदमताल मिलाते हुए मंच के सामने से गुजरकर सलामी दी। कार्यक्रम में पीसी श्री महेंद्र वर्मा, सहायक एनसीसी अधिकारी श्री सतीश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं पंचायत उपनिर्वाचन कार्यक्रम घोषित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 8 दिसम्बर 2025 से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 15 दिसम्बर तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 दिसम्बर को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 18 दिसम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन होगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 31 दिसम्बर को सुबह 9.00 बजे से होगी।

पंचायतों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 2 जनवरी को सुबह 8.00 बजे से होगी। इसी दिन सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जायेगी। जिला पंचायत सदस्यों एवं पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 जनवरी 2026 को प्रातः 10.30 बजे से की जायेगी। जिला सीधी के नगरपरिषद मझौली के अध्यक्ष और विभिन्न नगरीय निकायों में 8 पार्षदों के लिये उप निर्वाचन होगा। नगरपालिक निगम सिंगरौली के वार्ड 34, नगर पालिका परिषद मण्डला के वार्ड 8, नगर पालिका परिषद लहार के वार्ड 5 और नगर परिषद मौ के वार्ड 4, मेहगांव के वार्ड 5, आलमपुर के वार्ड 13, सतवास के वार्ड 9 और पानसेमल के वार्ड 2 में पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा। पंचायत उप निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य के 4, जनपद पंचायत सदस्य के 14, सरपंच के 67 और 3872 पंच पद के लिये निर्वाचन होगा।

79वां होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड कार्यालय विदिशा में 79 वां होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री मुकेश टंडन रहे। विशेष अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी एवं अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर रहे।

होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस स्थापना दिवस कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री मयंक कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियां - कार्यक्रम का शुभारंभ दो होमगार्ड प्लाटून, एक आपदा मित्र दल एवं एक सिविल डिफेंस प्लाटून की आकर्षक परेड से हुआ। परेड का नेतृत्व श्री एलएन विश्वकर्मा द्वारा किया गया। सर्वप्रथम परेड ने जिला पुलिस अधीक्षक महोदय को सलामी दी तथा तत्पश्चात मुख्य अतिथि महोदय को

सलामी दी गई।

सलामी अपरान्त मार्चपास्ट हुआ, कार्यक्रम मे मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान होमगार्ड अधिकारी, कर्मचारी एवं जवानों के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए गए, जिससे बच्चों में उत्साह का संचार हुआ।

सेवा सम्मान समारोह - होमगार्ड संगठन में 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए अधिकारी, कर्मचारियों एवं जवानों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एसडीईआरएफ के जवानों द्वारा आपदा उपकारणों की प्रदर्शनी द्वारा लगाई गई। आधुनिक उपकरणों, बचाव साधनों एवं आपदा प्रबंधन सामग्री की प्रदर्शनी का मुख्य अतिथियों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई तथा जवानों के कार्य एवं समर्पण की सराहना की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम - होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतो पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। छोटे-छोटे बालक-बालिकाओं के नृत्य एवं गीतों ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर जवानों के बच्चों की और जवानो की खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई और जिसमें प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिका को स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। अतिथियों ने होमगार्ड संगठन की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि होमगार्ड सदैव आपदा, आपातकालीन परिस्थितियों एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाता आया है। संगठन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों एवं जवानों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम के अंत में प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे के द्वारा होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की बधाई देते हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

नगर कांग्रेस ने डॉ भीमराव अंबेडकर की 70वीं पुण्यतिथि मनाई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांग्रेस द्वारा आज संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 70वीं पुण्यतिथि पर नगर में स्थित अंबेडकर चौराहे पर डॉक्टर साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जिला संगठन महासचिव परितोष सिंह राठौड़ ने कहा कि स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय गणराज्य की संपूर्ण अवधारणा के निर्माण में बाबा साहब का अहम योगदान है उन्होंने शिक्षित बनो संगठित रहो संघर्ष करो संदेश दिया।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन जातिवाद को खत्म करने और गरीब, दलितों, पिछड़े वर्गो के उत्थान के लिए समर्पित किया साथ उन्होंने न सिर्फ सामाजिक असामनता के खिलाफ लड़ाई लड़ी बल्कि महिला सशक्तिकरण युनिफार्म सिविल कोड मौलिक दायित्व के मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ने कहा कि बाबा साहेब के पास कुल 32 डिग्रियों के साथ 9 भाषा का ज्ञान भी था आजादी की लड़ाई में शामिल हुए और स्वतंत्र भारत को एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर पार्षद साजिद खान, जगदीश पाटीदार, पूर्व पार्षद निर्मल वर्मा, सूरेश पटेल विधायक प्रतिनिधि विनोद शर्मा, बद्री लाल पाटीदार अतुल बाफना नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारे, सेवादल अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी, सुरेश माली, मुख्तियार अली, महेश मुकाती,राजेंद्र जाट, आशीष जोशी, हजारीलाल मुकाती, प्रकाश मकवाना सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

रविन्द्र परमार बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के पत्रकार व स्वराज एक्सप्रेस न्यूज़ चैनल के जिला संवाददाता रविन्द्र परमार को पत्रकारों के हित संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित संगठन राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक देवेन्द्र कुमार मिश्रा, संरक्षक एपी सिंह सुप्रीम कोर्ट महाधिवक्ता, प्रदेश अध्यक्ष अमित द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित जैन, प्रदेश महासचिव भरत भूषण विश्वकर्मा द्वारा खरगोन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। परमार की नियुक्ति की सूचना मिलते ही जिले भर के पत्रकारों में हर्ष देखा जा रहा है और उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किए जा रहे हैं। वहीं रविन्द्र परमार का कहना है कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। परमार ने बताया कि बहुत जल्दी संगठन का विस्तार कर संगठन को मजबूती देने के साथ पत्रकारों में जोश भरने का काम किया जायेगा ताकि पत्रकारों की दिन हीन दशाओं में सुधार हो इसके साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा के लिए भी सभी से सामूहिक रूप से चर्चा की जाएगी।

कल होगा नंदीशाला का विशाल शुभारंभ 1000 से अधिक संत होगे शामिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई ग्राम दासता खेड़ी गांव में श्री नंदकेश्वर रक्षार्थ महाकाल नंदी शाला शुभारंभ अवसर कार्यक्रम मे आप सादर आमंत्रित हैं।

जय श्री महाकाल की कृपा एवं पूर्वजों के पूर्ण के फल स्वरुप सोमवार दिनांक 8 दिसंबर 2025 स्थान गोविंद जाने गौशाला दासता खेड़ी जिला शाजापुर में समय 10 बजे से 11 बजे के बीच में श्री नंदकेश्वर श्री महाकाल नंदी शाला का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा उक्त आयोजन में देशभर से अनेक राष्ट्रीय संत गण भी आयोजन में शामिल होंगे नंदी शाला हमारे स्व श्री रामसनेही जोशी एवं स्व श्री मती महादेवी जोशी के माता पिता निसावी विरेन्द्र नगर भिन्ड की पुण्य स्मृति में निर्मित किया जा रहा है इस पुण्य एवं शुभ अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं यहां कार्यक्रम के तहत विशाल भंडारे का आयोजन भी आयोजित किया गया है श्री गोविंद जाने गौशाला दासता खेड़ी समिति ने संपूर्ण क्षेत्र वासियों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के अपील की जहां आश्रम पर भव्य आयोजन को लेकर जोर-जोर से तैयारी चल रही है समिति के सदस्य बताते हैं कि विशाल भंडारे के आयोजन में 20 हाजार से अधिक श्रद्धालु का भोजन प्रसादी तैयार की जा रही है जहां सोमवार को नंदी शाल शुभारंभ के ौरान सभी प्रकार कि तयारी चल रही है।

श्रीमती मंजुला मेहता सदस्यता अभियान जिला प्रभारी नियुक्त

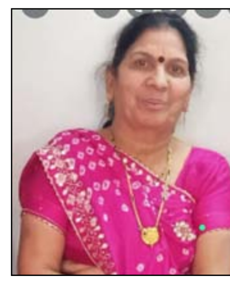

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विप्र नारी शक्ति सेवा संस्था द्वारा सामाजिक कार्यों के विस्तार एवं संगठन सुदृढ़ीकरण हेतु श्रीमती मंजुला मेहता को धार जिला सदस्यता अभियान का प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिला मीडिया प्रभारी शिवानी अग्निहोत्री ने बताया कि संस्था की संस्थापिका श्रीमती प्रमिला कैलाश शर्मा की अनुशंसा एवं प्रदेश प्रभारी मणिमाला शर्मा, संभागीय सदस्य स्मिता शर्मा की सहमति से किया गया है। श्रीमती मेहता लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं तथा उनकी गतिविधियों को देखते कोहुए यह दायित्व सौंपा गया हैमेहता ने कहा कि संगठन का विस्तार करते हुए समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

अस्पताल प्रशासन के संचालक ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अस्पताल प्रशासन के संचालक श्री मयंक अग्रवाल एवं कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय विदिशा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अधिष्ठाता मेडिकल कॉलेज, सिविल सर्जन सहित अन्य चिकित्सक व अधिकारी मौजूद रहे। संचालक श्री अग्रवाल ने अस्पताल के सभी प्रमुख विभागों आपातकालीन कक्ष, प्रसूति वार्ड, ओपीडी, वार्डों, औषधि भंडार, लैब एवं डायग्नोस्टिक यूनिट का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, साफदृसफाई, दवा उपलब्धता, मशीनों की कार्यस्थिति तथा स्टाफ की उपस्थिति की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान आवश्यक सुधार एवं व्यवस्था सुदृढ़ीकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संचालक एवं कलेक्टर ने मरीजों से संवाद कर उपचार एवं सुविधाओं के बारे में फीडबैक भी लिया तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट और एएसआई को ब्रॉन्ज डीजी डिस्क अवार्ड व प्रमाण-पत्र से सम्मानित करने की घोषणा

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के महानिदेशक, होमगार्ड्स, सिविल डिफेंस एवं अग्निशमन, नई दिल्ली द्वारा सेवाकाल के दौरान उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यो के लिए डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ विदिशा श्री मयंक कुमार जैन एवं एएसआई श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा को ब्रॉन्ज डीजी डिस्क अवार्ड एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

दोनों अधिकारियों को सेवाकाल के दौरान बाढ़, भूकंप, आग एवं अन्य प्राकृतिक व मानवजनित आपदाओं में जन-मानस की रक्षा करते हुए अदम्य साहस, त्वरित प्रतिक्रिया एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है।

उक्त उपलब्धि जिले के होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस तथा आपदा प्रबंधन संगठन के लिए गर्व का विषय है और यह अधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठा , आपदा प्रबंधन में विशेषज्ञता एवं जनता की सुरक्षा के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

महानिदेशक, होमगार्ड्स सिविल डिफेंस एवं आपदा प्रबंधन मध्य प्रदेश श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने सभी सम्मानित अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तियों का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस संगठन के कठोर परिश्रम, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। हमारे अधिकारी और स्वयंसेवक आपदा, दुर्घटना एवं संकट की हर स्थिति में अदम्य साहस के साथ जनसेवा करते हैं। यह उपलब्धि हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विभाग ने सभी सम्मानित कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें उत्कृष्ट सेवाएं जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले के इन दोनों अधिकारियों को आगामी दिनों में भोपाल में आयोजित होने वाले भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम में महानिदेशक, होमगार्ड्स एवं सिविल डिफेंस तथा आपदा प्रबंधन, मध्य प्रदेश द्वारा औपचारिक रूप से सम्मानित किया जाएगा।

विनय बाल मन्दिर में लगा फन मेला, बच्चो ने लगाए स्टॉल, झूले, किया व्यापार

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के जैतापुर क्षेत्र में संचालित हो रहे विनय बाल मन्दिर हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को फन मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बच्चो ने न केवल खुद के बनाये व्यंजनों के स्टॉल लगाकर व्यापार किया, बल्कि मनोरंजक खेल, झूलो का आनन्द भी लिया। सुबह 10 बंजे संचालक श्रीमती कविता अत्रे, उज्ज्वल अत्रे एवं प्राचार्य ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। उक्त मेले में व्यापार को लेकर बच्चो में उत्साह नजर आया। अपने स्टॉल का सामान बेचने के लिये भरपूर व्यापारिक गुण दिखाते हुए ग्राहकों को लुभाने के लिये ऑफर भी दिए। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजनों के आकर्षक स्टॉल लगाए। इनमें पानी पूरी, खमण, पावभाजी, जलेबी, गुजराती चिवड़ा, मेवाड़ी राब, आइसक्रीम, फ्रूट चाट, तरह-तरह के पकौड़े, पेस्ट्री और भेल पूरी सहित कई चटपटे व स्वादिष्ट व्यंजन शामिल रहे। बच्चों द्वारा तैयार किए स्टॉल्स ने न केवल मेले की रौनक बढ़ाई बल्कि उनमें व्यवसायिक समझ भी विकसित की। विद्यार्थी प्रज्ञा शुक्ला, रिद्धिमा सांवले, विराट महाजन, प्रशांत कुमरावत, सिद्धांत तोमर, पृथ्वीराज तंवर आदि ने बताया मेले में बहुत इब्जॉय किया। हमने खुद के स्टॉल से सामग्री बेचने के साथ ही सहपाठियों के लगाए स्टॉल से भी पसन्द की सामग्री खरीदी। हमने जो खर्च किया था, मेले में उस राशि से अधिक बचत मिलने से बेहद खुशी हुई। प्राचार्य शेख ने बताया कि बाल मेले के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता, स्वाद, उपभोक्ता से आदर्श व्यवहार और तनाव प्रबंधन जैसे कौशल सिखाए गए इसमे पालक भी शामिल हुए, जिन्होंने बच्चो को प्रोत्साहित करते हुए स्टॉल पर भृमण कर खाद्य सामग्री की खरीदी जी। पालको ने स्कूल प्रबंधन की इस आयोजन के लिये सराहना भी की।

आबकारी विभाग की कार्रवाई 8 स्थानों पर दबिश, अवैध मदिरा जप्त, 6 प्रकरण दर्ज

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में आज शनिवार को आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा पर बड़ी कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी श्री शरद पाठक के निर्देशन तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजीव थापक एवं श्रीमती साधना पटेल के नेतृत्व में वृत्त विदिशा 'ब' में संयुक्त दबिश अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत शमशाबाद क्षेत्र के ग्राम रामपुर थाना बूढ़ाखेड़ा पेगआई के टपरे,सांगुल के टपरे,अजीत पिपरिया सहित कुल 8 स्थानों पर तलाशी एवं छापामार कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी श्री पाठक ने बताया कि अवैध मदिरा निर्माण एवं परिवहन से जुड़े 6 प्रकरण दर्ज किए गए।आरोपियों के कब्जे से 25 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, तथा 1100 किलोग्राम महुआ लाहान जप्त किया गया। जप्तशुदा सामग्री एवं उपकरणों की कुल अनुमानित कीमत लगभग एक लाख 15 हजार रुपए आँकी गई। समस्त सामग्री को आबकारी अमले द्वारा कब्जे में लेकर आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।दल का सराहनीय योगदान इस सफल दबिश अभियान में निम्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा उनमें आबकारी उपनिरीक्षक श्री महेश कुमार विश्वकर्मा (वृत्त सिरोंज) श्री पुष्पेंद्र ठाकुर (वृत्त कुरवाई)श्री संजय इवने (वृत्त विदिशा) श्री रवि शंकर धाकड़ (वृत्त गंजबासौदा) के साथ साथ आबकारी आरक्षक सर्वश्री शिवलाल चिड़ार आदी।

, मनोज नामदेव, पवन गौर, राहुल राठौर, प्रमोद धुर्वे, प्रीति परिहार, दीपक कुमार एवं नगर सैनिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम हेतु ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

मछुआरों के किसान क्रेडिट कार्ड हेतु शिविर का आयोजन

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिले की नदियों में मत्स्याखेट कार्य में संलग्न मछुआरों को वित्तीय सहायता एवं कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शनिवार अवकाश दिवस को गंजबासौदा के केवट धर्मशाला में आयोजित किया गया था।

शिविर का शुभारंभ विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना की संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि केसीसी के माध्यम से मछुआरों को जाल, नौका मरम्मत, इंजन, फिशिंग उपकरण, चारा सामग्री तथा अन्य मत्स्याखेट गतिविधियों के संचालन हेतु अल्प ब्याज दर पर ऋष्ण उपलब्ध कराया जाता है।

शिविर के दौरान विभाग के तकनीकी कर्मचारियों ने स्थल पर ही मछुआरों के दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा पात्र मछुआरों के आवेदन फार्मों को भरवाया। अनेक मछुआरों ने मौके पर ही अपने आवेदन जमा किए। विभाग ने बताया कि प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता से बैंक स्तर पर भेजकर किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

मछुआरों ने विभाग द्वारा आयोजित इस पहल से मौके पर लाभान्वित होने कहा कि केसीसी उपलब्ध होने से उन्हें मत्स्याखेट कार्य में आर्थिक मजबूती प्राप्त होगी और आजीविका सुचारू रूप से चल सकेगी।

मछली पालन विभाग, विदिशा द्वारा आगामी दिनों में भी इसी प्रकार के जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिलाया जा सके।

ग्वालियर व्यापार मेले की तैयारियाँ जोर-शोर से जारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में जिन दुकानदारों को दुकानें आवंटित हो चुकी हैं वे अपनी दुकानों को सजाने का कार्य नियत तिथि से पूर्व कर लें। मेले की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। मेला सचिव श्री सुनील त्रिपाठी ने बताया कि ग्वालियर व्यापार मेला में आरक्षित दुकानों के आवंटन के लिये ऑनलाइन पोर्टल से मेले में दुकान लगाने के इच्छुक आवेदकों को ऑनलाइन दुकान आवंटन की सुविधा प्रारम्भ कर दी गई है। वर्तमान में अभी तक 234 अनारक्षित दुकानों का आवंटन किया जा चुका है। जो दुकानदार मेले में दुकान लगाने के इच्छुक हैं, वह पोर्टल पर सेक्टर वाइज रिक्त दुकानों में सिलेक्ट कर ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

औषधीय पौधारोपण में अग्रणी पहल श्री कृष्ण गौशाला समिति बरखेड़ा पठारी द्वारा गुग्गल पौधों का रोपण

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण गोशाला समिति बरखेड़ा पठारी द्वारा गोशाला प्रांगण में दुर्लभ एवं अत्यंत औषधीय महत्व वाले गुग्गल के पौधों का रोपण किया गया। यह पौधा अत्यधिक दोहन एवं कटाव के कारण आईयूसीएन की रेड लिस्ट में घोर संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में अंकित है।

कार्यक्रम में उपस्थित पशु चिकित्सक डॉ. पल्लव साहनी ने गुग्गल के महत्व, संरक्षण और औषधीय उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि यदि इस प्रजाति को संरक्षित नहीं किया गया तो निकट भविष्य में इसके विलुप्त होने का खतरा गहरा सकता है। डॉ. साहनी द्वारा गुग्गल के कुछ पौधे भी उपलब्ध कराए गए, जिन्हें गोशाला प्रांगण में रोपित किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम में गोशाला समिति अध्यक्ष श्री राजकुमार यादव, सरपंच प्रतिनिधि श्री देवेंद्र यादव, ग्राम पंचायत सचिव श्री मनोज रिछारिया सहित समिति के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधों का रोपण किया और गुग्गल संरक्षण का संकल्प लिया।

गुग्गल का औषधीय महत्व- गुग्गल से प्राप्त गोंद-राल का उपयोग गठिया,मोटापा,कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण,हृदय रोग सहित अनेक बीमारियों के उपचार में किया जाता है।

महर्षि चरक ने गुग्गल को श्रेष्ठ औषधियों में स्थान दिया है।

अथर्ववेद में इसकी धूनी को धूपन द्रव्य कहा गया है, जिसमें रोग विनाशी गुण वर्णित हैं। एक स्वस्थ गुग्गल का पेड़ लगभग 5 वर्ष बाद राल देने लगता है, और 6वें वर्ष से प्रति पेड़ लगभग 1 किलोग्राम राल वार्षिक रूप से प्राप्त हो सकती है।

वर्तमान बाजार में गुग्गल राल का मूल्य लगभग दो हजार रुपए प्रति किलोग्राम है। यह पौधा पानी की कम आवश्यकता वाला होता है एवं बंजर, पथरीली भूमि पर भी आसानी से विकसित हो जाता है।गोशाला समिति का यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है बल्कि संकटग्रस्त औषधीय प्रजाति को बचाने की दिशा में भी एक प्रेरणादायी पहल है।

होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजीत

जिला स्तरीय स्थापना दिवस कार्यक्रम में परेड, सम्मान समारोह एवं आपदा मॉकड्रिल सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 6 दिसम्बर 1946 को स्थापित होमगार्ड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ध्वज एवं परेड सलामी- कार्यक्रम की शुरुआत मंत्री सुश्री भूरिया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा ध्वज को सलामी देने के साथ हुई, जिसके पश्चात होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा आपातकालीन मोचन बल के जवानों द्वारा मुख्य अतिथि को परेड सलामी दी गई। परेड का नेतृत्व प्लाटून कमांडर श्री निलेश डामोर ने किया, जबकि टू-आई-सी की जिम्मेदारी ए.एस.आई (महिला) सुश्री अपूर्वी पाल द्वारा निभाई गई।

परेड में कुल चार प्लाटून शामिल थीं, जिनमें होमगार्ड जवानों की आर्म्स प्लाटून, होमगार्ड जवानों की अनआर्म्स प्लाटून, सिविल डिफेंस वालेंटियर्स की महिला प्लाटून तथा पुरुष प्लाटून सम्मिलित थीं। इसके साथ ही पीएम श्री कन्या उमावि, झाबुआ की छात्राओं का बैंड दल भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहा।

मुख्य कार्यक्रम- मुख्य अतिथि मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अपने उद्बोधन में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस के जवान किसी भी आपदा, संकट अथवा युद्ध जैसी स्थिति में सदैव समर्पण, अनुशासन और तत्परता के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा हो या सामरिक चुनौती हमारे जवान सेवा, साहस और अनुशासन का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, और देश तथा प्रदेश की सुरक्षा में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने सभी को राष्ट और प्रदेश के विकास में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान भी किया।

मंत्री सुश्री भूरिया द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया तथा चारों प्लाटूनों ने भव्य मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। परेड में आपदा रेस्क्यू वाहन तथा एसडीईआरएफ के जवान भी अपने आधुनिक आपदा बचाव उपकरणों के साथ सम्मिलित हुए।

इसके उपरांत होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री शशिधर पिल्लई ने महामहिम राष्ट्रपति, गृह मंत्री एवं महानिदेशक होमगार्ड/नागरिक सुरक्षा/आपदा प्रबंधन के संदेशों का वाचन किया तथा सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम- सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कन्या महाविद्यालय झाबुआ की छात्राओं तथा काकनवानी के छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र वितरण- कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जवानों के मेधावी बच्चों को उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र एवं नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। झाबुआ जिले के पाँच विद्यार्थियों–ध्रुव अजनार (10 वी में 83%, 3000), युवराज पंचाल (10 वी में 79%, 3000), महेश अरवाडिया (10 वी में 78%, 3000), करण अजनार (12 वी में 88%, 7500) एवं आकाश डामोर (12 वी में 79%, 5000) को उनकी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में वर्षभर कर्तव्यनिष्ठ सेवा प्रदान करने वाले कर्मियों एसडीईआरएफ सैनिक श्री नीलेश अजनार, श्री सुनील मेड़ा, श्री संजय सोलंकी, सैनिक श्री वसीम खान, श्री आकाश भाबोर, श्री बदरु बारिया, हवलदार श्री रामचंद, सिविल डिफेंस के डिवीजनल वार्डन श्री नितिन डामोर, श्री गोपाल पचाया, श्री भारत सिंह राठौर तथा सफाई कर्मचारी श्री फौलादी लाडवा को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन- मंत्री सुश्री भूरिया, पुलिस अधीक्षक एवं समस्त अथितियों के द्वारा कार्यक्रम में लगाई गई विभिन्न आपदा बचाव उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया, जिसमें रोप स्लाइडिंग सामग्री, पेनीकल लाइट, सर्च लाइट, पीवीसी सूट, मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर सामग्री सहित अन्य आधुनिक उपकरण शामिल थे।

आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल प्रदर्शन- कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉकड्रिल का भी आयोजन किया गया, जिसमें यह दर्शाया गया कि भवन में आग लगने की स्थिति में प्रशिक्षित सिविल डिफेंस वालेंटियर्स किस प्रकार प्रथम प्रतिवादी के रूप में घायलों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही ऐसी आकस्मिक परिस्थितियों में एसडीईआरएफ एवं अन्य एजेंसियों की संयुक्त कार्यप्रणाली का भी प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी एस बघेल एवं अन्य अधिकारी, बड़ी संख्या में आम नागरिक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आपकी पूंजी आपका अधिकार शिविर का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्त मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं एसएलबीसी भोपाल के निर्देशानुसार 05 दिसम्बर 2025 को जिला अग्रणी बैंक कार्यालय झाबुआ द्वारा आपकी पूंजी आपका अधिकार शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, जिला विकास अधिकारी नाबार्ड श्री नरेन्द्र आर. मोहिते, अग्रणी जिला प्रबंधक झाबुआ श्री मुहम्मद अल्ताफ सहित सभी बैंकों के जिला समन्वयकों ने भाग लिया। शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री मुहम्मद अल्ताफ ने उपस्थित अधिकारियों को Unclaimed Deposits के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि जिन खातों में पिछले 10 वर्षों से कोई लेनदेन नहीं हुआ है, वे राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के ष्ठश्वस्न खाते में अंतरित हो जाती है। इन जमा राशियों को संबंधित खाताधारकों तक पुनः पहुँचाने के लिए विभागों एवं बैंक शाखाओं को सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्रसिंह चौहान ने सभी शासकीय विभागों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील की। अंत में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री मुहम्मद अल्ताफ ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर परिणाम हेतु समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ की अध्यक्षता में जिला शिक्षा प्रकोष्ठ एवं जिला कोर ग्रुप सदस्यों की समीक्षा बैठक कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ में आयोजित की गई। बैठक में सहायक संचालक (शिक्षा), जिला शिक्षा प्रकोष्ठ एवं जिला कोर ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आगामी माहों में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्री-बोर्ड एवं मुख्य परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने हेतु निर्देश जारी किए गए। आगामी 31 दिसम्बर तक बोर्ड कक्षाओं का पाठ्यक्रम पूर्ण कराने, क्कएवं ष्ट ग्रेड के विद्यार्थियों हेतु रेमेडियल कक्षाएं संचालित करने पर बल दिया गया। जिले के छात्र जो छात्रावास में निवासरत हैं, छात्रावास अधीक्षकों के माध्यम से उन विद्यार्थियों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करवाई जावें। संस्था प्राचार्यों को अनुपस्थित विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क कर समझाइश देने तथा प्री बोर्ड परीक्षा के उपरान्त दिनांक 13 से 31 जनवरी 2026 तक निरन्तर कक्षायें संचालित रहें इसकी मॉनीटरिंग जिला एवं ब्लॉक स्तर पर करने के निर्देश दिए गए। सभी विषय शिक्षकों से प्रैक्टिस सेट तैयार करवाने, साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा वितरण की गई वर्कबुक विद्यार्थियों से अनिवार्य रूप से भरवाने के निर्देश दिए गए। लघु एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों, पिछले 5 वर्षों के प्रश्नपत्रों, अंग्रेजी विषय में अनसीन पैसेज, एप्लीकेशन, निबंध एवं प्रारूप की विशेष तैयारी कराने पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को सभी प्रश्न हल करने, ज्ञात प्रश्नों को प्राथमिकता से लिखने, कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की काउंसलिंग कर परीक्षा का भय दूर करने तथा प्री-बोर्ड उत्तरपुस्तिकाएं दिखाकर त्रुटियां सुधारने के एवं ब्लू प्रिंट और प्रश्नपत्र पैटर्न सभी विद्यार्थियों को कॉपी में अनिवार्य रूप से नोट करवाने के निर्देश दिए गए।

विधानसभा क्षेत्र 182-बड़वाह में गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन 100 प्रतिशत पूर्ण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 182-बड़वाह में दिनांक 06.12.2025 की सुबह 8 बजे की स्थिति अनुसार गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन कार्य 100 प्रतिशत पूरा हो गया है। इस उपलब्धि के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने ईआरओ श्री सत्यनारायण दर्रो, एईआरओ श्री शिवराम कनासे और समस्त निर्वाचन टीम को बधाई दी है। विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन टीम मे बीएलओ, सुपरवाइजर और मास्टर ट्रेनर्स के अतिरिक्त नोडल अधिकारियों- तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीईओ, सीएमओ, बीईओ, बीआरसी और सीडीपीओ ने समय सीमा से पूर्व डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने में अहम योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा क्षेत्र में 256 मतदान केंद्रों में कुल 237991 मतदाताओं में से 218950 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन किया गया है, शेष मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट पाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र में 2660 मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी है। जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों ने निर्धारित समयावधि से पूर्व गणना चरण के दौरान डिजिटाइजेशन पूर्ण कर लिया है। जिले में 1554 मतदान केंद्रों के 1480147 मतदाताओं में से 1396410 मतदाताओं के गणना पत्रको का डिजिटाइजेशन किया गया है, 83786 मतदाताओं के गणना पत्रक असंग्रहित रहे तथा 8208 मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी है। जिले की समस्त विधानसभा क्षेत्रों के असंग्रहित गणना पत्रकों में 21618 मृत, 9135 अनुपस्थित, 47179 स्थानांतरित और 5569 डुप्लीकेट मतदाता पाए गए हैं।

कृषिगत क्षेत्र के टिकाऊ विकास हेतु रणनीतिक कार्ययोजना पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिले के किसानों को नवीन एवं उन्नत तकनीक तथा नवाचारों से लाभान्वित करने पर विशेष जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में 5 दिसंबर 2025 को कृषिगत क्षेत्र के टिकाऊ विकास हेतु रणनीतिक नियोजन एवं कार्ययोजना पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभागों में संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रभावी रणनीति तैयार करें, ताकि निर्धारित समयावधि में लक्ष्यों की पूर्णता सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर ने शासन की कृषक कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का मैदानी स्तर तक सघन प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने रबी मौसम में बीज की उपलब्धता के अनुसार बायो-फोर्टिफाइड गेहूं की उन्नत किस्मों की काश्त को बढ़ावा देने तथा किसानों के खेतों में उच्च मूल्य वाली फसलों के विस्तार पर बल दिया।

बैठक के दौरान जिले के किसानों को नवीन एवं उन्नत तकनीक और नवाचारों से लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, जैविक पद्धति से तैयार उपज को आमजन तक सुलभ कराने तथा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने हेतु स्थानीय हाट-बाजारों में जैविक उत्पादों की पृथक दुकानें स्थापित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने रबी सीजन में बीज एवं उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, गुणवत्तायुक्त कृषि आदान सामग्री जैसे खाद, बीज, कीटनाशक आदि की आपूर्ति के लिए समय पर नमूना लेकर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला को भेजने तथा रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नरवाई प्रबंधन के बारे में किसानों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया गया। कृषि विभाग की विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान मिट्टी के नमूनों का समय पर विश्लेषण कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को उपलब्ध कराने और कृषि सिंचाई यंत्रों के लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को दिए।

उद्यानिकी क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। जिले में मधुमक्खी पालन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने तथा उच्च मूल्य वाली फसलों के विस्तार हेतु कार्यशालाओं के आयोजन के निर्देश दिए गए। पीएमएफएमई योजना अंतर्गत प्रदत्त लक्ष्यों की पूर्ति हेतु बैंकों से समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराने के निर्देश भी दिए गए।

मध्यप्रदेश मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के सम्बंध में शनिवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से आयोजित बैठक में प्रदेश के समस्त जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया 14 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसके अनुसार 11 दिसम्बर 2025 तक एन्युमरेशन फार्म भरने का काम बीएलओ द्वारा किया जाएगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 तक दावा/आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 16 दिसंबर से 7 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण रहेगा जिसमें ईआरओ द्वारा नोटिस जारी करना, सुनवाई एवं सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। ईआरओ उन मतदाताओं को नोटिस जारी करेंगे जिनके पिछले एसआईआर मतदाता सूची के विवरण जो गणना पत्र में दिए गए हैं या तो उपलब्ध नहीं है या डेटाबेस से मेल नहीं खाते हैं। नोटिस प्राप्त होने पर मतदाता को निम्नलिखित श्रेणियों के आधार पर दस्तावेज प्रदान करने होंगे। 1. यदि आपका जन्म भारत में 1 जुलाई 1987 से पहले हुआ हो - स्वयं की जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान की पुष्टि हेतु नीचे दी गई सूची में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। 2. यदि आपका जन्म भारत में 1 जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच हुआ हो - स्वयं की जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान की पुष्टि हेतु नीचे दी गई सूची में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा - नीचे दी गई सूची में से पिता या माता के जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान को प्रमाणित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे 3.यदि आपका जन्म भारत में 2 दिसंबर 2004 के बाद हुआ हो - स्वयं की जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान की पुष्टि हेतु नीचे दी गई सूची में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा - नीचे दी गई सूची में से पिता के जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान को प्रमाणित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे - नीचे दी गई सूची में से माता के जन्मतिथि और/ या जन्मस्थान को प्रमाणित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे - यदि माता-पिता में से कोई भारतीय नहीं है, तो आपके जन्म के समय उनके वैध पासपोर्ट और वीजा की एक प्रति प्रदान करनी होगी । 4.यदि भारत के बाहर जन्म हुआ है(विदेश स्थित भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण का प्रमाण संकलन करना होगा) 5.यदि भारतीय नागरिकता पंजीकरण/ प्राकृतिककरण द्वारा प्राप्त की है(नागरिकता पंजीकरण प्रमाणपत्र संकलन करना होगा।) स्वीकार्य दस्तावेजों की विस्तृत सूची- 1.किसी केंद्रीय/ राज्य सरकार/ सार्वजनिक उपक्रम द्वारा नियमित कर्मचारी /पेंशनर को जारी पहचान पत्र/ पेंशन भुगतान आदेश 2.भारत में किसी सरकारी/स्थानीय निकाय/बैंक/ डाकघर/एलआईसी/सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 1 जुलाई 1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र/ प्रमाण पत्र/ दस्तावेज 3.सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र 4.पासपोर्ट 5.किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक /शैक्षणिक प्रमाण पत्र 6.सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवासी प्रमाण पत्र 7.वन अधिकार प्रमाण पत्र 8.सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी /एसी/एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र 9.राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो) 10.राज्य व स्थानीय निकाय द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर 11.सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र 12.आधार के लिए, आयोग द्वारा जारी निर्देश लागू होंगे 13.1 जुलाई 2025 सन्दर्भ में बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण की निर्वाचक नामावली का सार

गणना चरण के शेष दिवसों में किया जाएगा पुनरीक्षण कार्य का पुनर्सत्यापन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मंगलवार 9 दिसंबर तक प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर और बीएलए की बैठक अनिवार्यतः आयोजित की जाए जिसमें मतदाताओं की उपस्थिति में ,स्ष्ठक्र सूची का वाचन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठक के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए और कार्यवाही विवरण तथा बैठक के फोटो और वीडियो जिले की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं, जिससे बाद में प्रारूप मतदाता सूची पर न्यूनतम आपत्तियां दर्ज हो। उन्होंने निर्देश दिए कि गणना चरण के शेष दिवसों में प्रत्येक मतदान केन्द्र के असंग्रहित गणना पत्रकों की समीक्षा की जाए, विशेषकर जन्म और मृत्यु रजिस्टर से मृत्य व्यक्तियों का सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं का भी भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर तक यदि कोई मतदाता मृत हो जाता है अथवा बाहर से वापस आ जाता है तो मतदाता सूची तदनुसार अपडेट की जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वितरित गणना पत्रक वापस प्राप्त कर बीएलओ द्वारा स्पष्ट रूप से मृत, अनुपस्थित, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अन्य कारण का उल्लेख किया जाएगा।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस का भव्य आयोजन शनिवार को कसरावद रोड नवलपुरा स्थित कार्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़वानी विधायक श्री राजन मण्डलोई, जिला पँचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल , संयुक्त कलेक्टर श्री सोहन कनाश रहे,जिन्हें परेड द्वारा सलामी देकर सम्मानित किया गया एवं आकर्षक मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा श्री अमित शाह गृह मंत्री भारत सरकार के संदेशों का वाचन किया गया । कार्यक्रम में होमगार्ड के जवानों द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन पर आधारित ड्रिल का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसमें बाढ़ राहत, अग्नि शमन, एवं खोज और बचाव के साहसिक कार्यों को प्रदर्शित किया गया। इन प्रदर्शनों ने आपदा के समय होमगार्ड के जवानों की तत्परता और उनके उच्च कोटि के प्रशिक्षण को दर्शाया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में होमगार्ड के जवानों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि होमगार्ड बल न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करता है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपात स्थितियों में भी नागरिकों के लिए एक जीवन रेखा का काम करता है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर जयति सिंह की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर श्री सोहन कनाश, डीडीएम नाबार्ड, बैंक के आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रतिनिधि, जिला समन्वयक एंव विभागीय अधिकारी प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए। बैठक में कलेक्टर जयति सिंह ने बैंकवार और ब्रांचवार जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं में बैंकों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में प्राथमिकता वाली योजनाओं समीक्षा कर बैंकों तथा संबंधित विभागों को लक्ष्यों को समय-सीमा में प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय समावेशन और पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में दिए गए मुख्य निर्देश बैठक में कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह निर्देशित किया कि सभी बैंकर्स से जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें और मासिक लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैंक प्रबंधकों एवं अधिकारियों को निम्न बिन्दुओं पर निर्देशित किया- 1. बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत बैंकों में लंबित पड़े प्रकरणों का निराकरण तत्काल प्रभाव से किया जाए। यह योजना छोटे व्यापारियों और पथ-विक्रेताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2.जिले के आकाँक्षी विकास खंड पाटी में शत-प्रतिशत वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने हेतु बैंकों को खाते खोलने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। 3.प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत नए हितग्राहियों को जोड़ने की संख्या में तेजी से वृद्धि की जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को बीमा और पेंशन का लाभ मिल सके। 4.कलेक्टर ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग संबंधित किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित आवेदनों को निपटाने तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थियों को शीघ्र ऋृण स्वीकृत करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल मंदिर में नए साल से नई एजेंसी संभालेगी सुरक्षा व्यवस्था

पहली बार प्रशिक्षण प्राप्त गार्ड हथियारों के साथ करेंगे ड्यूटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में 1 जनवरी 2026 से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। वर्तमान सुरक्षा एजेंसी क्रिस्टल का ठेका समाप्त होने के बाद, मंदिर समिति ने दिल्ली की एक नई कंपनी को सुरक्षा का जिम्मा सौंपा है। यह कंपनी 1000 गार्डों की तैनाती करेगी।

महाकाल मंदिर में 1 जनवरी 2026 से दिल्ली की कंपनी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेगी। वर्तमान सुरक्षा एजेंसी क्रिस्टल का ठेका समाप्त होने के बाद मंदिर समिति ने टेंडर जारी कर नई कंपनी को सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी दी है। कंपनी एक हजार गार्ड के साथ काम संभालेगी। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया नई कंपनी को ठेका दे दिया गया है। जल्द ही सेवा शर्तों के आधार पर कंपनी के साथ अनुबंध होगा। इसके बाद कंपनी सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। पहली बार कुछ नई शर्तों के साथ कंपनी को ठेका दिया गया है। महाकालेश्वर मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा

दिल्ली की सुरक्षा एजेंसी कोर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास होगी। इस सुरक्षा व्यवस्था के लिए महाकाल मंदिर समिति करीब 20 करोड़ रुपए सालाना खर्च करेगी। पहले काम कर रही कंपनी क्रिस्टल और केएसएस कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है। नए टेंडर के लिए कई कम्पनी ने आवेदन दिया था। जिसके बाद दिल्ली की कोर सर्विसेज कंपनी को सुरक्षा व्यवस्था दी गई है। कंपनी एक जनवरी से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। इस बार कुछ नए टर्म कंडीशन के साथ कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है जिसमें कंपनी एक हजार गार्ड को मंदिर में लगाएगी। इसके साथ ही इसमें कुछ गार्ड हथियारों के साथ भी मांगे गए है। सभी को ड्रेस कोड में रहने को कहा गया है। कंपनी को मंदिर में डोर मेटल डिटेक्टर, हेंड मेटल डिटेक्टर, वॉकी-टॉकी के साथ उच्च कौशल सुपरवाइजर, सुरक्षा अधिकारी और गार्ड को तैनात करने को कहा गया है। इससे पहले मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही क्रिस्टल कंपनी में 700 गार्ड तैनात थे। नयी कंपनी 1000 गार्ड के साथ कमा शुरू करेगी।

कोयला फाटक-निजातपुरा चौड़ीकरण का काम धीमा, अब कलेक्टर करेंगे मॉनीटरिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक से कंठाल और विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट चौराहे से तेलीवाड़ा तक चौड़ीकरण का काम फिर धीमी गति से चल रहा है। कलेक्टर ने इसमें गति लाने के लिए फिर से दौरा करने की बात कही है। नगर निगम प्रशासन तो चौड़ीकरण के कार्यो को जल्दी निपटाना चाहता है लेकिन कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक काम करने वाले ठेकेदार के पास पर्याप्त संसाधन नहीं है। इसके चलते वह जल्दी काम पूरा नहीं कर रहा है। अभी तक सिर्फ नाली व विद्युत पोल और अंडरग्राउंड लाइन में ही समय लग रहा है। सड़क बनाने के अभी तक पते नहीं हैं। कहा जा रहा है कि 10 दिसंबर के बाद ही सड़क बनाने का काम शुरू होगा। पूर्व में भी कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों ने कार्य में देरी पर नाराजगी जताई थी और जुर्माना भी ठोका था, लेकिन बाद में फिर काम की गति धीमी ही चल रही है। यदि 1 किलोमीटर का टुकड़ा बनाने में लगभग 1 साल लग जाएगा तो सिंहस्थ से पहले 2027 में बाकी अन्य सड़कें किस प्रकार बन पाएगी। यही हाल विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा तक की सड़क का है, यहाँ पर भी नित्य नए प्रयोग हो रहे हैं लेकिन काम की गति वैसी की वैसी ही है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ठेकेदार को रात में भी साइट पर काम चलाना चाहिए। जल्द ही यहाँ पर हम दौरा करेंगे और काम में गति लाएंगे। अभी शहर की आधा दर्जन सड़क और चौड़ी करना है और यदि काम ऐसा ही चला तो सिंहस्थ तक काम होना मुश्किल होगा।

वार्ड क्र. 41 के रहवासियों की शिकायत के निराकरण हेतु वैकुण्ठ धाम कॉलोनी पहुंचे महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत मक्सी रोड स्थित बैकुंठ धाम कॉलोनी के रहवासियों द्वारा शनिवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल के समक्ष क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, पेयजल सप्लाई, प्रकाश व्यवस्था इत्यादि निगम से व्यवस्थाओं को लेकर अपनी बात रखी गई जिसके क्रम में महापौर द्वारा वार्ड में निरीक्षण के दौरान संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने हेतु निर्देश प्रदान किए गए। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शनिवार को वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत बैकुंठ धाम कॉलोनी में क्षेत्र के रहवासियों की समस्या के समाधान हेतु पहुंचे जहां रहवासियों द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्रीवॉल नहीं है साथ ही उद्यान का भी समुचित रूप से विकास नहीं है इसी के साथ-साथ पेयजल सप्लाई को लेकर भी काफी समस्या है कई घरों में पानी नहीं पहुंच पाता है इसलिए नवीन पेयजल लाइन डालने की आवश्यकता है महापौर द्वारा समस्या को सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

थाना प्रभारी ने छात्राओं को पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. मधुबाला राठौर के संयोजन में एसएससीडी (सस्टेनेबल सोशल चेंज ड्राइव) की एक्टीविटी के अंतर्गत प्रदूषण की रोकथाम एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत हेतु जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया तथा उसके पश्चात प्रदूषण के संदेश को समाज तक पहुँचाने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला भी बनाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में देवास गेट थाने की थाना प्रभारी अनिला पाराशर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे न केवल स्वयं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहें, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने प्लास्टिक के कम उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने, वाहनों के संयमित उपयोग एवं वृक्षारोपण जैसे सरल लेकिन प्रभावी कदमों को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

कालभैरव मंदिर में आने जाने की व्यवस्था अलग होगी... दर्शनों में आसानी होगी

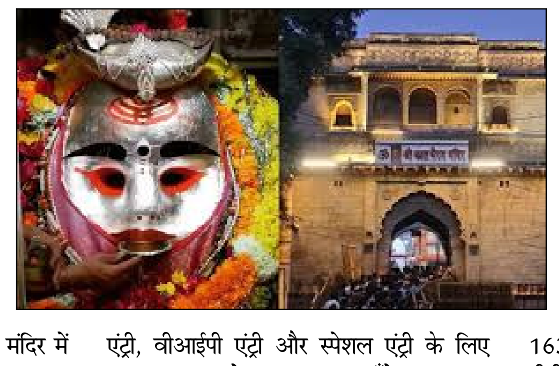

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आने वाले दिनों में कालभैरव में दर्शन व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। अभी मार्ग संकरा है तथा आने जाने का एक ही रास्ता है जिससे 4 से 5 घंटे लगते हैं।

बीते कुछ समय से कलभैरव मंदिर में दर्शन पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में श्रद्धालुओं के प्रवेश और मंदिर से बाहर आने के दौरान अव्यवस्था भी हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए मंदिर में प्रवेश और निर्गम के लिए जल्द ही अलग अलग व्यवस्था की जाएगी। इससे दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को परिसर से बाहर निकलने में आसानी होगी। इसके लिए प्रशासन द्वारा व्यापक कार्य योजना तैयार की जा रही है। मंदिर में जनरल एंट्री, वीआईपी एंट्री और स्पेशल एंट्री के लिए अलग अलग प्रवेश द्वार बनाए जाएँगे।

इसके साथ ही मंदिर के लिए एक नई- अप्रोच रोड भी प्रस्तावित की है। आने वाले कुम्भ के लिए क्राउड मैनेजमेंट का ध्यान रखते हुए कार्य किए जाएंगे। मंदिर में फाउंटेन पार्क बड़ी मूर्ति भी लगाई जाएगी। महाकाल मंदिर के बाद अब काल भैरव मंदिर का कायाकल्प होगा। यहाँ पर होल्डअप एरिया, मल्टी लेवल पार्किंग, श्रद्धालुओं के लिए रुकने की व्यवस्था, फेसिलिटी सेंटर पार्क मूर्तियाँ फाउंटेन बनाए जाएँगे। महाकाल मंदिर में रोजाना करीब 2 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँच रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु काल भैरव मंदिर भी दर्शन करने भी आते हैं। काल भैरव मंदिर में आने वाले श्रद्धालु को सुविधा देने के लिए 163 करोड़ रुपए के कार्य होने जा रहे हैं। इसकी डीपीआर तैयार हो चुकी है। काल भैरव मंदिर में कॉम्प्लेक्स निर्माण 55 करोड़, 2 मल्टी लेवल पार्किंग 49 करोड़, इलेक्ट्रिकल और मैकनिकल कार्य 51 करोड़, अन्य कार्य 8 करोड़ की लागत से होंगे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर हुई डॉ. अम्बेडकर चिन्तन के विविध आयाम और उनकी प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना की 278वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी डॉ. अम्बेडकर चिन्तन के विविध आयाम और उनकी प्रासंगिकता विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार संविधान निर्माता के महा परिनिर्वाण दिवस पर व्यक्त किये।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने सम्बोधन में कहा कि डॉ. अम्बेडकर सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में जाने जाते है। भारत में सामाजिक न्याय की बात की जाय तो वो वर्षो पहले प्रारम्भ हो गई थी। कबीर, रविदास, चोखेमाला, ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फूले, रानाडे, बाबासाहेब अम्बेडकर, संत गाडगे आदि सभी ने समाज को एकरस बनाने का अथक प्रयास किया। डॉ. अम्बेडकर और सामिजिक न्याय को समझने से पूर्व सामाजिक न्याय है क्या इसको समझते है- अगर सामान्य अर्थो में देखे तो सामाजिक न्याय समाज के अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गो मजदूरों तथा महिलाओं को समाज में बराबरी का हक मिले इसे ही सामाजिक न्याय कहा जाता है सामाजिक न्याय शब्द सर्वप्रथम सन् 1840 में सिसली के पादरी द्वारा प्रयोग में लाया गया था। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जब सामाजिक न्याय शब्द प्रसिद्ध हुआ तो सबसे पहले कृषि क्षेत्र से स्थांतरित मजदूर वर्ग के लिए ये प्रयुक्त हुआ कि आम जनता की आवश्यकताओं पर ध्यान देने के लिए शासक वर्ग से एक अपील के रूप में इस्तेमाल किया गया। सामाजिक न्याय का मूल आधार है समाज के वंचित, शोषित और दीन-हीन वर्गो का उत्थान। इसका प्रमुख उद्देश्य मानव जाति को सामाजिक व आर्थिक शोषण एवं भेदभाव की पारंपरिक जकड़न से मुक्त कराना है।

विशिष्ट वक्ता एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. प्रभु चौधरी ने बताया कि बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर बीसवीं शताब्दी के महान शिक्षाविद् एवं सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत नेता रहे है। भारतरत्न डॉ. अम्बेडकर जी बुद्धिजीवी, विद्वान तथा राजनीतिक व्यक्ति थे। आपका देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत के संविधान निर्माण के लिये संविधान प्रारूप समिति में अध्यक्ष के रूप में रहे। वे सामाजिक न्याय के संघर्ष के प्रतीक है। संगोष्ठी के शुभारम्भ में सरस्वती वंदना संचालक श्रीमती श्वेता मिश्रा ने प्रस्तुत की। संगोष्ठी की प्रस्तावना राष्ट्रीय महासचिव डॉ. शहेनाज शेख ने वक्तव्य में कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षा, समानता और प्रेम का संदेश दिया। उन्होने दलित, शोषित एवं महिलाओं को अन्य लोगो की तरह समान ही कानूनी अधिकार दिलाने के लिए अनेक आंदोलनों का नेतृत्व किया और समाज के लोगो को मानवाधिकार दिलाए। विशिष्ट अतिथि श्री हरेराम वाजपेयी अध्यक्ष हिन्दी परिवार इन्दौर ने डॉ. अम्बेडकर जी के कार्यो की सराहना की। राष्ट्रीय संयोजक श्री पदमचंद गांधी जयपुर, ने अध्यक्षीय भाषण दिया।।

सप्ताह में पहली बार आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री पर

बीती रात दिसंबर माह की पहली सबसे ठंडी रात रही - अधिकतम तापमान भी गिरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिसंबर माह के पहले सप्ताह के शुरुआती 5 दिन न्यूनतम तापमान 11 डिग्री से ऊपर बना रहा, लेकिन बीती रात सर्दी लौटी और न्यूनतम तापमान गिरकर 10 डिग्री पर आ गया। इसी के साथ कड़ाके की सर्दी का दौर शुरु हो गया। कल अधिकतम तापमान भी करीब 1 डिग्री गिरकर 26.5 डिग्री पर आ गया।

शहर में मौसम ने करवट बदल ली है। दिसंबर के पहले सप्ताह में जहाँ न्यूनतम तापमान लगातार 11 डिग्री से ऊपर बना हुआ था, वहीं बीती रात ठंड अचानक बढ़ गई। न्यूनतम तापमान गिरकर 10 डिग्री पर पहुँच गया, जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। तापमान में आई इस गिरावट के साथ ही शहर में कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू हो गया है। वेधशाला से मिली जानकारी के मुताबिक केवल रात का तापमान ही नहीं, बल्कि शुक्रवार को दिन का तापमान भी नीचे आ गया। अधिकतम तापमान लगभग 1 डिग्री की गिरावट के साथ 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। धूप में भी गर्माहट कम दिखाई दी, जिससे लोग सुबह और शाम स्वेटर और जैकेट में नजर आए।

सर्दी का असर बढ़ा, बाजारों में गर्म कपड़ों की मांग तेज- तापमान में गिरावट के बाद सुबह-शाम की ठिठुरन साफ महसूस होने लगी है। शहर के बाजारों में गर्म कपड़ों की मांग भी बढ़ रही है। वहीं कई जगह चाय-नाश्ते की दुकानों पर भीड़ बढने् लगी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट हो सकती है।

एक नजर सप्ताह के तापमान पर

दिनांक	न्यूनतम	अधिकतम
1 दिसंबर 2025	12.0	28.5
2 दिसंबर 2025	11.8	28.8
3 दिसंबर 2025	12.0	27.5
4 दिसंबर 2025	13.0	27.4
5 दिसंबर 2025	11.7	26.5
6 दिसंबर 2025	10.0	-27.0

ग्राम पिपलियाराघो में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर संपन्न

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक ने बताया कि शासकीय आयुर्वेद औषधालय करोहन के द्वारा ग्राम पिपलियाराघो में स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र जैन ने उपस्थित जनों को हेमंत ऋतुचर्या के बारे में बताया कि हेमंत ऋतु भारत में शीत ऋतु (नवम्बर - जनवरी) के आगमन के साथ प्रारंभ होती है। यह अपने साथ पर्यावरण और हमारे स्वास्थ्य में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव लाती है। इस ऋतु में मनुष्य की पाचन शक्ति व शारीरिक शक्ति चरम पर होती है। हेमंत ऋतु में संतुलित ऋतुचर्या का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ऋतु में आयुर्वेद के अनुसार खट्टे, मीठे, नमकीन स्वाद वाले गरिष्ठ और स्निग्ध भोजन का सेवन करना चाहिए, जैसे दूध ,घी ,गुड़, नए चावल, उड़द की दाल, तिली से बने व्यंजन सेवन, मसालों में काली मिर्च दालचीनी, हल्दी, लौंग को विशेष रूप से प्रयोग करना चाहिए। जीवन शैली में गर्म तेल से मालिश करना,धूप सेकना, गर्म वस्त्र पहनना और गर्म स्थान पर रहना शामिल है, जिससे कफ दोष का संतुलन बना रहे और वात न बढ़े। शिविर में डॉ. इरफान खान ने मधुमेह से बचाव के उपाय बताएं। नर्सिंग ऑफिसर मिथिलेश शर्मा ने हैंड हाइजीन के बारे में जानकारी साझा की। शिविर में 112 रोगियों का परीक्षण कर निशुल्क आयुर्वेद औषधियां का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रधान अध्यापक अजय शर्मा, वंदना शर्मा, संगीता सरिया, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अब्दुल मुनाफ दवासाज का विशेष सहयोग रहा।

जिले में वर्षा काल के दौरान होमगार्ड विभाग ने किया सराहनीय कार्य- कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को जिला होमगार्ड कार्यालय में कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में होमगार्ड का स्थापना दिवस मनाया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने होमगार्ड जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में वर्षा काल के दौरान होमगार्ड जवानों ने शौर्य एवं कुशलता का परिचय देते हुए विपरीत परिस्थितियों में जल आपदा से नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर जान-माल की सुरक्षा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता डिवीजनल कमाण्डेंट श्री रोहिताश पाठक द्वारा की गई। मुख्य अतिथियों का स्वागत डिवीजनल कमाण्डेंट श्री रोहिताश पाठक द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

इस अवसर पर सेरेमोनियल ड्रेस में सुसज्जित आकर्षक परेड द्वारा मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। निरीक्षण वाहन में बैठकर कलेक्टर उज्जैन ने परेड के 08 प्लाटूनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में आर्म्स प्लाटून, महिला प्लाटून, यातायात प्लाटून, आपदा मित्र व सिविल डिफेन्स प्लाटून के साथ आधुनिक बचाव उपकरणों से लेस एसडीईआरएफ के 02 वाहन प्लाटून भी सम्मिलित थे। निरीक्षण उपरांत विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा द्वारा डायरेक्टर जनरल होमगार्ड मध्यप्रदेश का संदेश÷ नागरिक सुरक्षा

गृह रक्षक संगठन ने देश की सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह हमारी सुरक्षा एवं सेवा में निरंतर कार्यरत हैं, का वाचन किया गया। परेड के उपरांत होमगार्ड जवानों के मेधावी छात्र/छात्राओं को मंच से कलेक्टर द्वारा उत्साहवर्धन राशि के चैक प्रदाय किए गए। इसके पश्चात वर्ष के दौरान आपदा प्रबंधन, लॉ एण्ड आर्डर, व्हीवीआईपी ड्यूटी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/जवानों को कलेक्टर द्वारा मंच से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके उपरांत प्लाटून कमाण्डर श्रीमती शीला चौधरी के नेतृत्व में एसडीईआरएफ के जवानों द्वारा भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त बिल्डिंग में फंसे नागरिकों के रेस्क्यू का डेमोन्स्ट्रेशन दिया गया।

स्थापना दिवस परेड का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डर श्री दिलीप बामनिया व टूआईसी प्लाटून कमाण्डर श्रीमती शीला चौधरी द्वारा किया गया। आर्म्स प्लाटून का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डर श्री पुष्पेन्द्र त्यागी, द्वितीय आर्म्स प्लाटून का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डर सुश्री हेमलता पाटीदार, पुरूष प्लाटून का नेतृत्व ए.एस.आई. श्री बी.एल. सारेल, महिला प्लाटून का नेतृत्व नायक श्री मती सुनीता ललावत, यातायात प्लाटून का नेतृत्व कंपनी क्वाटर मास्टर श्री सुनील जैन, सिविल डिफेन्स प्लाटून का नेतृत्व सीडीव्ही श्री आशुतोष व्यास, आपदा मित्र प्लाटून का नेतृत्व जय प्रकाश एवं एसडीईआरएफ के वाहन के प्लाटूनों का नेतृत्व सैनिक महेश कुशवाह, सैनिक आशीष चौहान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यालय का समस्त स्टॉफ, शहर एवं देहात के गार्ड एवं थानों में तैनात जवान व उनका परिवार उपस्थित रहा। होमगार्ड कार्यालय में दिन के समय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें होमगार्ड जवान, सिविल डिफेन्स, आपदा मित्र व उनका परिवार शामिल हुआ।

आर्थिक समानता ही सामाजिक समरसता है : प्रो. सुधीर सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान अर्थव्यवस्था और डॉ. आम्बेडकर के विचारों के बीच गहरा संबंध है। बाबा साहब एक प्रखर विचारक और दूरदृष्टा थे। उन्होंने विधि, संविधान, सामाजिक न्याय, अस्पृश्यता उन्मूलन, मानव अधिकार, सामाजिक न्याय, अस्पृश्यता उन्मूलन, मानव अधिकार जैसे विषयों पर ही विचारोत्तेजक विचार व्यक्त नहीं किया वरन् भारत की अर्थ नीति, वित्त, कर व्यवस्था पर सारगर्भित भविष्य योजना तैयार करके दी है। आज हम इक्कीसवीं सदी के तीसरे दौर में चल रहे हैं। हमारी अर्थ व्यवस्था, अर्थ नीति पर अभी भी डॉ. आम्बेडकर दृष्टि से विचार करने की आवश्यकता है। निःसंदेह 1947 से वर्तमान तक भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार और परिवर्तन हुआ है। 1980 के दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव हुआ था, जिसे हम सब एलपीजी मॉडल के नाम से जानते हैं। इस मॉडल का मुख्य उद्देश्य ही भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ्ज्ञ विकसित अर्थव्यवस्था बनाना था और आज हमारी इकोनॉमी में सुधार भी हुआ। लेकिन डॉ. आम्बेडकर ने जैसे कहा था कि आर्थिक विकास तभी सार्थक है जब वह समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित करे और उनकी सामाजिक व आर्थिक विषमताओं को दूर करे।

उक्त विचार बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. आम्बेडकर पीठ और कृषि विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में आम्बेडकरवाद और वर्तमान अर्थव्यवस्था की चुनौतियों विषय पर आयोजित व्याख्यान में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. सुधीर सिंह राजपूत ने व्यक्त किए।

ऑनलाइन आयोजित व्याख्यान में डॉ. सिंह ने कहा कि डॉ. आम्बेडकर ने गरीबी, बेरोजगारी और आय की असमानता जैसी समस्याओं पर अधिक विचार देने की बात कही। बाबा साहेब ने 1923 में लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स से अर्थशास्त्र में पीएच.डी. उसका विषय था- द प्राब्लम ऑफ द रूपी ÷ इट्स ओरिजन एंड इट्स सॉल्यूशन में उन्होंने भारतीय आर्थिक इतिहास और मुद्रा नीति पर विचार केन्द्रित किए। इस पुस्तक ने स्वतंत्र भारत की वित्तीय नींव तैयार करने में महती भूमिका निभाई है और आज भी प्रासंगिक है। दरअसल यह पुस्तक डॉ. आम्बेडकर की दूरदर्शी और आर्थिक कौशल को स्पष्ट करती है।

मेला अधिकारी श्री सिंह और कलेक्टर द्वारा सिंहस्थ के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के द्वारा निर्माणरत कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में पीएसओ श्री गोपाल डाड, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

बैठक में स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि वीर भारत संग्रहालय के निर्माण के अंतर्गत कोठी महल के बाहर भी रेनोवेशन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। नृसिंह घाट के रिनोवेशन का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है, वहां से पुराने पत्थर हटाए जा चुके हैं। यूनिटी मॉल की भौतिक प्रगति 58 प्रतिशत हो चुकी है।

बैठक में नगर निगम के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि रीगल टॉकीज के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ हो चुका है। लिगसी वेस्ट का कार्य अभी प्रगतिरत है।